डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

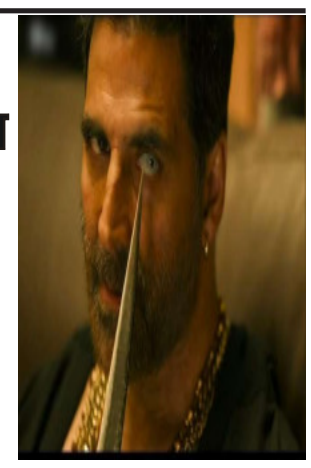

PG-8

सिनेमाः 'बच्चन पांडे' ने 'द कश्मीर फाइल्स' के आगे टेके घुटने

वर्ष -08 अंक -18 | प्रयागराज, सोमवार 21 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आस्ट्रेलिया से वापस लाई गईं भारत की 29 प्राचीन धरोहर, देवी देवताओं की प्रतिमाओं समेत जैन परंपरा की तस्वीरें भी शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 पुरावशेषों का निरीक्षण किया, जिनमें बहुत सी प्राचीन प्रतिमाएं शामिल हैं। इन पुरावशेषों को आस्ट्रेलिया से वापस भारत लाया गया है। भारतीय संस्कृति और धार्मिक जड़ो से जुड़ी इन कलाकृतियां में भगवान विष्णु, शिव और देवी शक्ति की प्रतिमाओं के साथ-साथ जैन परंपरा की तस्वीरें एवं साज-सजा की भी वस्तुएं हैं। 29 पुरावशेषों देश के छह राज्यों से जुड़े हुए हैं, जिसमें राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का नाम शामिल है। इस बात की जानकारी प्राइम मिनिस्टर आफिस (पीएमओ) ने ट्वीट कर दी। ने एक विडियो शेयर किया, जिसमें पीएम मोदी इन पुरातत्व महत्व की वस्तुओं का अवलोकन करते हुए देखे गए, यही नहीं पीएम इन प्रतिमाओं को काफी बारीकी से देखते हुए उनके बारे में लिखी किताब को भी पढ़ते हुए नजर आए।

पहाड़ी लड़के का जज्बा देख सब कर रहे सलाम, आर्मी में भर्ती होने के लिए नोएडा की सड़कों पर लगा रहा 10 की दौड़, देखें वीडियो

नई दिल्ली। जब जज्बा हाई हो तो चीजों की कमी भी किसी काम के आड़े नहीं आती है। ऐसा ही एक दृश्य एक वायरल वीडियो में देखने को मिला है। सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही इस वीडियो में एक युवक नोएडा की सड़कों पर बैग लेकर दौड़ता दिखाई दे रहा है। वीडियो को एक फिल्ममेकर विनोद कापड़ी ने बनाया है जिसमें वह युवक लगातार दौड़ता हुआ दिख रहा है। फिल्ममेकर द्वारा पूछे जाने पर युवक बताता है कि वह आर्मी में भर्ती होने के लिए हर रोज ऐसे ही प्रैक्टिस करता है। बता दें कि इस वीडियो को केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी रिट्वीट किया है।

पी0एम0 मोदी और आस्ट्रेलियाई पीएम ने की शिखर वार्ता, मोदी बोले व्यापार और सुरक्षा पर मिलकर करेंगे काम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने आस्ट्रेलियाई समकक्ष स्काट मारिसन के साथ आज शिखर वार्ता की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत बढ़ते परिवर्तन और बहुत दबाव का सामना कर रहा है और मुझे लगता है कि हमारे क्वाड लीडर्स ने हाल ही में हमें रूस के यूक्रेन पर आक्रमण पर चर्चा करने का अवसर दिया है। पीएम ने साथ ही कहा कि दोनों देश व्यापार और सुरक्षा पर मिलकर काम करेंगे। शिखर सम्मेलन में भारत में ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि कैनबरा भारत में कई क्षेत्रों में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा कर सकता है। इस महीने के अंत तक दोनों देशों के बीच जल्द फसल समझौता होने की भी उम्मीद है। फसल समझौते का उद्देश्य दोनों देशों या व्यापारिक ब्लॉकों के बीच कुछ सामानों पर व्यापार शुल्क को कम करना है। सूत्रों के अनुसार, दोनों देश महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे। इससे भारत की ऑस्ट्रेलिया में धातु और लिथियम के क्षेत्र में पहुंच बढ़ेगी। ये समझौता इलेक्ट्रिक वाहनों और बढ़ते बुनियादी ढांचे के लिए भारत की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री प्रल्हाद जोशी आस्ट्रेलिया का दौरा जल्द कर सकते हैं। बता दें कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच पहली वर्चुअल शिखर वार्ता जून 2020 में हुई थी। उस दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए कई फैसले भी लिए गए थे। हालांकि इस बार व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, प्रवास और गतिशीलता और शिक्षा में घनिष्ठ सहयोग पर चर्चा होने की उम्मीद है।

एन बीरेन सिंह आज दोपहर लेंगे मणिपुर के मुख्यमंत्री पद की शपथ जेपी नड्डा भी होंगे शामिल

नई दिल्ली। एन बीरेन सिंह लगातार दूसरी बार मणिपुर के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। बीरेन सिंह आज दोपहर तीन बजे राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उन्हें रविवार को विधायक दल का नेता चुना गया है। भाजपा की ओर से केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर मणिपुर पहुंची वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि एन बीरेन सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने बताया कि विधायक दल ने बीरेन सिंह को सर्वसम्मति से अपना नेता चुना है। सीतारमण ने कहा कि यह सभी की सर्वसम्मति से लिया गया एक अच्छा निर्णय है। यह सुनिश्चित करेगा कि मणिपुर में एक स्थिर और जिम्मेदार सरकार हो। एन बीरेन सिंह का शपथ ग्रहण समारोह आज दोपहर तीन बजे होगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इसके अलावा भाजपा के कई बड़े नेता भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। बता दें कि 60 सीटों विधानसभा सीटों वाले मणिपुर चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आए थे। सत्ताधारी भाजपा ने 32 सीटें जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। वहीं, एनपीपी को सात, जेडीयू को सीटें, कांग्रेस और एनपीएफ को पांच-पांच, निर्दलीयों को दो और केपीए को दो सीटों पर जीत मिली थी। गौरतलब है कि 2017 में भाजपा ने राज्य में पहली बार सरकार बनाई थी। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 21 सीटें जीती थी। एनपीपी और एनपीएफ के चार-चार, टीएमसी के एक और एक निर्दलीय विधायक के समर्थन से भाजपा ने सरकार बनाई थी।

पीएम मोदी ने पारसी नव वर्ष के अवसर पर लोगों को दी बधाई खुशी और स्वास्थ्य के लिए की कामना

नई दिल्ली। सोमवार को देश में पारसी नव वर्ष यानी की नवरोज मनाया जा रहा है। नवरोज एक ईरानी और फारसी नव वर्ष है, जो वसंत की शुरुआत में मनाया जाता है। यह पर्व लोगों और विभिनन-समुदायों के बीच शांति, एकजुटता और दोस्ती को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पारसी नव वर्ष-नवरोज के अवसर पर लोगों को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने सभी के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना की। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर कहा, 'हम नवरोज को एक प्रार्थना के साथ चिह्नित करते हैं कि आने वाला वर्ष सभी के जीवन में खुशी और उत्कृष्ट स्वास्थ्य लेकर आए। सभी आकांक्षाएं पूरी हों और चारों ओर समृद्धि हो। नवरोज मुबारक भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने ट्वीट कर बधाई दी, उन्होंने कहा, 'नवरोज की हार्दिक शुभकामनाएं! मेरी कामना है कि यह वर्ष हम सभी के लिए शुभ हो, स्वास्थ, सौहार्द और सद्भावना से पूर्ण हो। नवरोज सबके जीवन में प्रेम और खुशहाली लाये। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पारसी नव वर्ष, नवरोज़ के अवसर पर लोगों को बधाई दी और सभी को शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'नवरोज़ के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं सभी के लिए शांति और समृद्धि।नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने ट्वीट कर कहा,'पारसी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

भारतीयों की निकासी का पूरा हुआ अभियान, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया- कितने लोगों की हुई वतन वापसा

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते वहां युद्धग्रस्त इलाकों में हजारों भारतीय फंस गए थे। भारतीय नागरिकों में बड़ी संख्या वहां पढ़ाई करने कर रहे छात्रों की भी थी। भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए सरकार ने आपरेशन गंगा चलाया था। आपरेशन गंगा के तहत स्पेशल उड़ानों के जरिए हजारों भारतीयों को युद्धग्रस्त यूक्रेन से स्वदेश वापस लाया गया है। केंद्र सरकार ने भारतीयों की वापसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने सोमवार को कोर्ट में बताया कि युद्धग्रस्त यूक्रेन से 22,500 भारतीयों की निकासी का काम पूरा कर लिया गया है। सरकार ने कहा कि एक बड़ा अभियान चलाकर इसे अंजाम दिया गया। सरकार ने अदालत को बताया कि यूक्रेन से लौटे छात्रों ने अपनी पढ़ाई जारी रखने के मुद्दे पर सरकार पर जोर दिया है। केंद्र सरकार इसे देख रही है और इस पर निर्णय लेगी। गौरतलब है कि इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही के दौरान यूक्रेन मुद्दे पर संसद में बयान दिया था। विदेश मंत्री ने संसद को जानकारी देते हुए बताया था कि कड़ी चुनौतियों के बावजूद सरकार ने यूक्रेन में फंसे 22,500 की निकासी की है। विदेश मंत्री ने बताया था कि आपरेशन गंगा के तहत 90 उड़ानें संचालित की गईं, जिनमें से 76 नागरिक उड़ानें और 14 इंडियन एयर फोर्स की उड़ानें थीं। उन्होंने कहा था कि 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के छात्रों को यूक्रेन से निकाला गया है। दोनों देशों के बीच जारी युद्ध में यूक्रेन के कई सैनिक मारे गए हैं। रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन के कई शहरों को खंडहर में तब्दील कर दिया है। वहीं, यूक्रेन ने भी रूस के कई सैनिकों को मारने का दावा किया है। यूक्रेन ने ये भी कहा कि उसकी सेना ने रूस के कई मिसाइलों, मशीनों को तबाह कर दिया है।

युद्ध के 26वें दिन रूस ने कीव पर की बमबारी, हमले में 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का आज 26वां दिन है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर ने कहा है कि वे रूस के साथ बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी है कि अगर रूस के साथ बातचीत विफल होती है तो तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। वहीं, यूक्रेन में मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा का पार्थिव शरीर बेंगलुरू पहुंच गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने हवाईअड्डे पहुंचकर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कर्नाटक के बसवराज बोम्मई ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे बच्चे (नवीन शेखरप्पा) की यूक्रेन में जान चली गई। नवीन का पार्थिव शरीर यूक्रेन से यहां लाना बहुत मुश्किल था। ये बहुत साहस की बात है। हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और सरकार ने ये करके दिखाया। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्काट मारिसन द्वितीय भारत-आस्ट्रेलिया आभासी शिखर सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारा क्षेत्र बढ़ते परिवर्तन और बहुत दबाव का सामना कर रहा है और मुझे लगता है कि हमारे क्वाड लीडर्स काल ने हाल ही में हमें रूस के यूक्रेन पर अवैध आक्रमण पर चर्चा करने का अवसर दिया। भारत-आस्ट्रेलिया आभासी शिखर सम्मेलन संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे अपने क्षेत्र के लिए उस भयानक घटना के निहितार्थ और परिणामों पर चर्चा करने का अवसर भी दिया और हमारे सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा करने का भी अवसर दिया। अपने पिछले वर्चुअल समिट में हमने अपने रिश्ते को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया था। मुझे खुशी है कि आज हम दोनों देशों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन का तंत्र स्थापित कर रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्काट मारिसन द्वितीय भारत-आस्ट्रेलिया आभासी शिखर सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए।

जानें- कितनी घातक होती है अमोनिया गैस, सूमी केमिकल प्लांट पर हुए रूस के हमले के बाद हुआ इसका रिसाव

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन की लड़ाई को चार सप्ताह हो रहे हैं। अब तक इस युद्ध में यूक्रेन को जान और माल की भारी कीमत भी चुकानी पड़ी है। रूस ने उसके कई रणनीतिक ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की है। न्यूक्लियर प्लांट से लेकर अस्पताल, एयरपोर्ट, हथियारों के डिपो और केमिकल प्लांट भी इस जंग में तबाह हुए हैं। हाल ही में रूस की एयर स्ट्राइक के बाद सूमी के एक केमिकल प्लांट से अमोनिया गैस रिसाव की खबरों से चिंता बढ़ गई है। समाचार एजेंसी रायटर्स के मुताबिक इस रिसाव का असर से पांच किमी दूर तक देखा जा रहा है। आपको बता दें कि अमोनिया गैस बेहद खतरनाक होती है। इसका रिसाव इंसान की जान तक ले सकता है। अमोनिया गैस के रिसाव से आंखों में जलन की समस्या होती है। इसके साथ ही यदि ये सांस के साथ शरीर के अंदर चली जाती है तो इंसान के फैफड़ों को खराब कर देती है। इसके अलावा इसका असर शरीर के दूसरे अंगों पर भी पड़ता है। इसके अलावा इस गैस की हवा में मौजूदगी और सांस के साथ अंदर जाने पर खांसी, छाती में तेज दर्द, छाती में जकड़ापन, सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में यदि रोगी को तुरंत इलाज न दिया जाए तो उसकी सांस न ले पाने की वजह से बेहद दर्दनाक मौत हो सकती है। अमोनिया गैस के रिसाव का पता हवा में मौजूद उसकी स्मेल से भी लगाया जा सकता है। इसके अलावा इस गैस के रिसाव को पता करने का एक और भी तरीका है। यदि लिटमस पेपर को हवा में कुछ देर के लिए रखा जाए तो इस गैस के रिसाव की सूरत में इस पेपर का रंग बदलकर पिंक कलर का हो जाएगा। इसका अर्थ है कि उस जगह पर इस गैस की मौजूदगी हवा में है। यदि इस गैस का रिसाव लगातार हो रहा है तो ये हवा के साथ एक बड़े इलाके को भी अपनी चपेट में ले सकती है। इसके अलावा यदि इसका रिसाव रुक भी गया है तो ऐसी सूरत में रिसाव वाली जगह पर इसका असर 24-48 घंटों तक बना रह सकता है। अमोनिया का सबसे अधिक इस्तेमाल खेतों में काम आने वाले फर्टीलाइजर बनाने में होता है। अमोनिया गैस का इस्तेमाल रेफ्रीजिरेशन वर्क में भी किया जाता है। हालांकि हमारे वार्तावरण, मिट्टी और पानी में भी इसकी मौजूदगी हमेशा बनी रहती है। इंसान के शरीर में भी इसकी मौजूदगी होती है। लेकिन यदि ये अधिक मात्रा में सांस के जरिए शरीर के अंदर जाती है तो नुकसानदायक होती है। सीरिया के घोटा शहर में हुए वर्ष 2013 के एक हमले में केमिकल अटैक के दौरान कथिततौर पर इस गैस का इस्तेमाल किया गया था। उस वक्त इस हमले के लिए सीरियाई सेना और रूस को जिम्मेदार ठहराया गया था। हालांकि दोनों ने ही इन आरोपों को गलत बताया था। इस हमले में डेढ़ हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इस गैस के रिसाव होने की सूरत में अच्छा यही होता है कि उस जगह को तुरंत छोड़ दिया जाए। यदि ये संभव न हो तो ऐसी सूरत में घर के खिड़की और दरवाजों को तुरंत खोल देना चाहिए। सांस लेने के लिए रेसिपिरेटर का इस्तेमाल करना चाहिए, या फिर अपने चेहरे को अच्छे से कवर लेना चाहिए जिससे अमोनिया गैस सांस के जरिए शरीर के अंदर न जा सके। इसके अलावा यदि उस जगह को छोड़ना संभव हो सके तो हमेशा हवा से उलटी दिशा की तरफ ही जाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि रिसाव होने के बाद ये गैस हवा के साथ दूर तक फैलती हैं। पानी के तेज छिड़काव से भी इसके असर को कम किया जा सकता है। इसकी लीकेज और अधिक मौजूदगी बड़े धमाके की भी वजह बन सकती है।

शबेबरात पर कब्रिस्तानो में हुई रोशनी, पढ़ा फातिहा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। होली तथा शबेबरात शबे कद्र एक साथ पड़ने पर जहां प्रशासन के हाथ पांव फूले थे। वही फूलपुर नगर पंचायत की तमाम कब्रिस्तानों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों

में कब्रिस्तान पर जाकर मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने पूर्वजों की कब्रों पर रोशनी और अगरबत्ती जला कर उनके मोक्ष (मगफिरत) की कामना की। हर कोई अपने पूर्वजों की कब्र पर रोशनी करता नजर आया। यह रात विशेष रात अल्लाह पाक ने बनाई है। जिसमें लोग अपने घर परिवार की खुशहाली मुर्दों की मगफिरत की दुआ करते हैं। पूरी रात नफली इबादत में लोग बिताते हैं। बताया जाता है। कि इस रात मुर्दों के जिस्म में रूह डाली जाती है। वहीं रूहें अपने घरों की ओर जाती हैं। जहां हर घरों में हलवा बनाकर उनके लिए फातेहा दिलाया जाता है। फूलपुर, बाबूगंज, कनौजा, सौरहा, कोनार, अगहुआ, अमिलिया, दीवानगंज, सलमापुर, मैलहन, कपसा, नईकोट आदि गांव में रात भर कब्रिस्तानो पर रोशनी के साथ साथ फातिहा किया गया। कहीं भी किसी अनहोनी की सूचना नहीं रही। फूलपुर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद दिखे कोतवाल फूलपुर अमित कुमार एवं उप निरीक्षक नवीन कुमार माजिद खान एवं कांस्टेबल लगातार गश्त करते हुए दिखे।

होली पर खूब बिके मुर्गा, डीजे पर जमकर हुआ डांस

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। होली के पवित्र त्यौहार को मुर्गा और दारू वालों ने बदनाम का डाला है। दारु की दुकान में बंदी होने के कारण लोगों ने स्टॉक बना कर रख लिया था। उधर मुर्गा की दुकानों पर दिनभर भीड़ देखी गई। मुर्गा और दारू के नशे में खूब झूमे लोग मुस्लिम भाइयों ने हिंदू भाइयों को होली की मुबारकबाद पेश की। फूलपुर क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल में यह महत्वपूर्ण त्यौहार सकुशल संपन्न हो गया।

विश्व गौरैया दिवस पर पंछी बचाओ अभियान चलाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। पिछले वर्षो की भांति इस वर्ष भी विश्व गौरैया दिवस पर बाई का बाग पीजन पार्क मे बेजुबान पंछियों को गर्मी से बचाने के लिए मदर टेरेसा फाउडेशन से समाजसेवी मोहम्मद गुफरान ने 'पंछी बचाव अभियान' चलाया। जिसमें मिट्टी के प्याले लोगों को वितरण कर कहा गया कि इसमें अपनी छतों और आंगन मे पंछियों के लिये दाना पानी रखें जिससे उनका जीवन बच सके। इस मौके पर पार्क में भी बड़े मिट्टी के प्याले लगाये गये। समाजसेवी मोहम्मद गुफरान ने कहा कि गर्मी में जब हम इंसान पानी को तरस जाते है तो इन पक्षियों का क्या होता होगा जो सारा दिन आसमान में उड़ते हैं। गौरैया दिवस के मौके पर मोहल्लों में चिड़ियों के पानी के लिए बर्तन और दाना बांटकर लोगों को जागरुक करें, गर्मी के दिनों में अपने घर की छत पर एक बर्तन में पानी भरकर रखें, गौरैया को खाने के लिए कुछ अनाज छतों और पार्कों में रखें, हरियाली बडायें, छतों पर घोंसला बनाने के लिए कुछ जगह

छोड़ें और उनके घोंसलों को नष्ट न करें, पंछियों को बचाना हमारा फर्ज है। सोशल मीडिया के मध्यम से भी लोग इस मुहिम से जुड रहे हैं। अभियान में मोहम्मद गुफरान, मनोज निषाद,निशा मिश्रा, पूनम यादव,अवधेश निषाद,महफुज़ अरिफ,अहमद हुसेन,शशिकातं आदि लोग उपस्थित थे।

किशोर के साथ युवकों ने किया अनैतिक दुराचार 1 गिरफ्तार, 2 फरार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। थाना मुट्ठीगंज क्षेत्र के गऊघाट इलाके में तीन युवकों ने दलित नाबालिग किशोर के साथ अनैतिक शारीरिक शोषण किया गया। पीडित की तरफ से तीनों के विरूद्ध नामजद मुकदमा दर्ज करवाया गया। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया जबकि दो अभी भी फरार हैं ।पुलिस फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी में दबिश दे रही है ।

बेटे ने पिता को मारा, हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली अंतर्गत सराय हरीराम गांव में मुसहर परिवारों में 2 दिन पूर्व कुछ कहासुनी हुई। जिसमें गामा प्रसाद उम्र 50 वर्ष पुत्र विश्वनाथ पर पुत्र रमेश उर्फ बऊ उम्र 25 वर्ष ने लाठी-डंडे से प्रहार कर दिया। अपने चाचा बबलू को मारा। परंतु विश्वनाथ को गंभीर चोट के कारण बीती रात दम तोड़ दिया सूचना पाकर फूलपुर पुलिस के उपनिरीक्षक माजिद खान एवं सुनील प्रसाद रात में ही गांव पहुंचे और आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद विश्वनाथ का शव थाने लाए। पंचनामा भर कर शव पीएम हेतु भेजा गया।

23 मार्च को होगा रीघी में कवि सम्मेलन

(आधुनिक समाचार सेवा)
रामेन्द्रद्र सिंह

लालगंज (प्रतापगढ़)। शहीद -ए-आजम भगत सिंह के बलिदान दिवस पर रीघेश्वर नाथ मंदिर रीघी में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन 3बजे अपराह्न आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र यादव ने बताया कि राष्ट्रीय कवि डॉ0रणजीत सिंह के संचालन मैं होने वाले इस कवि सम्मेलन में गीता पाण्डेय रायबरेली,राम केवल वर्मा लहरी रायबरेली ,गीता पाण्डेय रायबरेली,राय बदन शुक्ल पथिक अमेठी,जया मिश्रा,अजय सोनी, लोकेश त्रिपाठी काव्य पाठ करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वनाथगंज के नवनिर्वाचित विधायक जीत लाल पटेल तथा विशिष्ट अतिथि मोतीलाल चौधरी व बी एल वर्मा होंगे।

वृद्धा आश्रम में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज।आज आरव फाउंडेशन के द्वारा आधारशिला विद्धा आश्रम प्रयागराज में होली मिलन समारोह का कार्यक्रम किया गया विद्धा आश्रम के मैनेजर विमल गिरी जी के द्वारा यह कार्यक्रम सफल हुआ होली मिलन समारोह में वृद्ध लोगों को गुलाल रंग लगाकर गाना बजाना के साथ होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के

साथ मनाया गयाआरव फाउंडेशन की संस्थापक विवेक गुप्ता अध्यक्ष गौतम मिश्रा के प्रयासों से विगत वर्षों की भाती इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का कार्यक्रम किया गया बड़े बुजुर्गों एवं माताओं को गुजिया लड्डू मिठाई इत्यादि खिलाकर फगुआ गीत जैसे मनमोहक कार्यक्रम कर बुजुर्गो के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम आरव फाउंडेशन के द्वारा सभी त्योहार पर वृद्धजनों के साथ मनाया जाता है वृद्धजनों के द्वारा फगुआ गीत जैसे पुरानी संस्कृति को इस नए युग में उनके द्वारा सुनने का भी अवसर प्राप्त होता है और फाउंडेशन के सभी सदस्यों का मनमोहक लिया मुख्य रूप से संध्या कननैजिया , सोनम जायसवाल , विजेंद्र पाठक , कुशल सिंह,शिखा गुप्ता , रजत गुप्ता , श्वेता सिंह, गुंजन, अंकिता, सुनील गुप्ता आदि फाउंडेशन के सभी सदस्य मौजूद रहै।

पवन सिंह चौहान तो भाजपा ने सीतापुर से घोषित किया एमएलसी उम्मीदवार

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। एमएलए चुनाव की तरह ही एम एल सी चुनाव में भी सीतापुर के भाजपा उम्मीदवारों को हाथ लगी हताशा, प्रदेश कार्यकारिणी ने भेजा लखनऊ का प्रत्याशी कई वर्षों से एमएलसी चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी में सक्रियता दिखाने वाले पूर्व एमएलसी भरत त्रिपाठी, पूर्व एमएलसी राकेश सिंह, राजा दिनकर सिंह, सत्य प्रकाश मिश्रा आदि कई चेहरों को दरकिनार कर भारतीय जनता पार्टी ने लखनऊ के एसआर ग्रुप के चेयरमैन पर अपना विश्वास जताया और सीतापुर से उन्हें इसी उम्मीदवार घोषित किया है।

बेल्हा के लाल विवेक कुमार सिंह ने फिल्मी दुनिया में बढाया जिले का नाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। शहर से चंद किलोमीटर दूर ग्राम सभा पूरेमाधव सिंह निवासी विवेक कुमार सिंह ने अपनी कला कौशल से फिल्मी दुनिया में इस जनपद के गौरव को बढाया

है।उनका बचपन का सपना था कि वह फिल्मी दुनिया मे अपनी अलग पहचान बना कर दर्शकों का दिल जीतें।अपने हुनर से आज वह निरन्तर अपने सपने को साकार करते नजर आ रहे है।वह राहुल गोंड डायरेक्टर की न्यू वेबसरीज तंत्र लोभ में निगेटिव अवतार में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।डॉयरेक्टर राहुल गोंड ने बताया कि यह उनका चौथा प्रोजेक्ट है।विवेक सिंह के साथ प्रतिबिंब में वह कॉमेडी हवलदार का कैरेक्टर किए थे।डेंजर जोन में वह महत्वपूर्ण किरदार थे।हर किरदार में उन्होंने अपना रंग जमाया है।इस बार वह नेगेटिव कैरेक्टर के लिए कास्ट किये गये हैं। विवेक जी स्क्रिप्ट के हिसाब से प्ले करते नजर आते है।इनके साथ शाहबाज ख़ान भी है जिसमें संजय गोंड एक 23 साल के लड़के की लव स्टोरी पर आधारित एपिसोड में अहम भूमिका अदा करेंगे।इस सीरीज में मनवीर चौधरी,अभिषेक खनन,अनुराग कृष्णा,नारायण सुजान मिश्रा कास्ट हो चुके हैं। बाकी कास्टिंग चल रही है।मई तक शूट स्टार्ट कर होगी।2023तक सारे प्रोजेक्ट ओ टी टी प्लेट फार्म पे रिलीज होंगे। विवेक कुमार सिंह ने बताया कि अभी हमने बिहार डायरी शूट किया।नीरज पांडे सर का एक अलग अनुभव था।अब राहुल के साथ शाहबाज ख़ान सर के साथ काम करने का मौका मिला है।उन्होंने प्रतिबिंब की डबिंग की। सुनील भार्गव के साथ अलग अनुभव तथा बहुत कुछ महत्वपूर्ण किया।अपनी कला से दमदार प्रदर्शन करते हुए विवेक कुमार सिंह दिनों दिन लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

ढोकरी गांव के सामने रेलवे लाइन पर मिली सिर कटी लाश

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बीती रात 9 बजे फूलपुर कोतवाली के ढोकरी गांव के सामने रेलवे लाइन पर युवक की सिर कटी लाश देख हड़कंप मच गया। सूचना पर थाना फूलपुर के उपनिरीक्षक माजिद खान मय हमराही पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ लगी थी। मिली जानकारी के अनुसार मृतक मंजय कुमार भारतीया उम्र 22 वर्ष पुत्र राकेश कुमार भारतीया निवासी बगई कला थाना सराय इनायत अपने ननिहाल उदईपुर गांव आया था। वहां से शाम को घर जाने हेतु निकला। परंतु रात में उसकी सिर कटी लाश फूलपुर प्रयागराज रेलवे ट्रैक पर देख खबर जंगल में आग की तरह फैल गई।

ननिहाल वालों ने बताया। कि सायं 4 बजे घर जाने हेतु निकला था। फूलपुर पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पीएम हेतु भेज दिया। बताया जाता है। कि कहानी कुछ और है। किसी ने हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर रख दिया था। अन्यथा बगई कला जाने हेतु रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुंचा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 31 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710,
9807278552, 9415608790

बलिया मे दो साल बाद होली पर दिखा खुशी का उत्साह, खूब बिखरे रंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।कोरा**ना की छाया से मुक्ति के** बाद होली का पर्व पूरे उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। दो साल बाद रंगों के त्यौहार की रंगत फिर से लौटी नगर आई।लोगों ने दोगुने उत्साह के साथ होली मनाई। इस बार जनपद में दो दिवसीय रंगोत्सव मनाया गया। कहीं शुक्रवार तो कहीं शनिवार को होली मनाई गई।शहर सहित अधिकांश गांवों में शनिवार को त्यौहार की धूम रही।युवाओं ने सुबह रंगों की होली खेली। वहीं कई स्थानों पर कुर्ता फाड़ होली भी जमकर खेली गई। शाम को गांव के मंदिरों में फगुआ गायन की बैठकी में देर रात तक अबीर-गुलाल उड़ते रहे। लोग एक -दूसरे के घर जाकर बधाई दिए और अबीर लगाए। गांव से लेकर शहर तक सभी दुकानें बंद रहीं। होली को लेकर पुलिस प्रशासन भी सक्रिय रहा। नगर पंचायत कर्मचारियों को वस्त्र वितरित बांसडीह तहसील मे होली के मौके पर नगर पंचायत बांसडीह के कर्मचारियों को चेयरमैन प्रतिनिधि अरविद कुमार सिंह मंटू ने वस्त्र वितरित किया।इस मौके पर सभी कर्मचारियों संग अबीर गुलाल खेल कर रंगों के त्योहार को शांति व सद्भाव से मनाने की बात भी कही। इसके पूर्व सभी कर्मचारियों ने नगर पंचायत की सफाई भी की। इस

मौके पर अधिशासी अधिकारी सीमा राय, सूर्यप्रकाश सिंह पहाड़ी,युवराज सिंह सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। बिल्थरारोड मे रंग गुलाल से सड़कें हुईं लाल

जिले के बिल्थरारोड नगर समेत ग्रामीण इलाकों में शुक्रवार को धूमधाम के साथ होली मनाई गई। नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश गुप्ता ने भी नगरवासियों के साथ गुलाल से होली मनाई और हर्षोल्लास के त्योहार की सभी को बधाई दी।रेलवे चौराहा से लेकर त्रिमुहानी और हर गली में लोगों ने धूमधाम के साथ होली मनायी। लोगों ने खूब रंग गुलाल उड़ाए। युवाओं और बच्चों में रंग खेलने को लेकर जबरदस्त उत्साह रहा। इस दौरान नगर के बड़ी मस्जिद समेत विभिन्न प्रमुख मस्जिदों पर पुलिस प्रशासन की विशेष निगरानी रही। नगर के बड़ी मस्जिद पर उभांव इंस्पेक्टर अविनाश कुमार सिंह और सीयर पुलिस चैकी इंचार्ज मदनलाल दलबल के साथ जमे रहे। जुम्मे की नमाज के दौरान लगभग हर मस्जिद पर पुलिस की विशेष निगरानी रही। ताकि कहीं भी होली के रंग में भंग न हो और किसी भी परिस्थिति में टकराव की स्थिति न उत्पन्न हो। रेवती मे भी हर्षोल्लास से मना पर्व रेवती नगर क्षेत्र में होली का पर्व पूरे हर्षोल्लास साथ मनाया गया । रेवती कस्बा,गायघाट ,चौबेछपरा, छेड़ी आदि गांवों में शनिवार को जबकि दियरांचल के भैसहा, दतहा,लूरपूर रखहा आदि गावों में शुक्रवार को होली मनाई गई। लोगों ने नगर पंचायत रेवती के अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय शंकर पांडेय कनक, समाजसेवी अभियान तिवारी, सपा नेता मांडलू सिंह,अमित पांडेय पप्पू, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, केसरवानी वैश्य समाज के अध्यक्ष सुनील केशरी आदि को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

हरहुआ स्वास्थ्य केंद्र पर पुलस पोलियो का हुआ शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (हरहुआ) ।हरहुआ विकास खंड के हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पुलस पोलियो अभियान का शुभारंभ 0-5 वर्ष के

प्रिंस को ड्राप पिलाकर पीएचसी प्रभारी डॉ0आर के सिंह ने प्रारंभ किया। भारत में पोलियो मुक्त करने के लिए अभियान में पीएचसी अंतर्गत कुल 41000 बच्चों को ड्राप पिलाये जाने हैं। जिसमें आज 110 बूथों के जरिये टीम ने ड्राप पिलाया जिसमे आशा, ए एन एम, आंगनबाड़ी सहित चिकित्सको का सहयोग लिया गया। डॉ0 राजकुमार, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक बसंत लाल श्रीवास्तव, ए आर ओ श्रीनाथ यादव ,एनम निधि द्वारा ड्राप पिलाया गया । वहीं चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि 21 मार्च से 29 मार्च तक अभियान चलेगा। जिसमें एएनएम आंगनबाड़ी घर-घर जाकर बच्चों को ड्राप पिलायेगी।

अपराध की दुनिया के मनीष सिंह के दो पक्के दोस्तों को बारी-बारी से यूपी पुलिस ने मुठभेड़ में मारा

वाराणसी। अपराध की दुनिया में एक साथ रखने वाले और अपराध जगत का बादशाह बनने की ख्वाहिश रखने वाले तीन कट्टर दोस्त जो दुर्दीत अपराधी भी थे। उनको बारी-बारी से यूपी पुलिस ने इस फानी दुनिया से रुखसत कर दिया। रोहित सिंह उर्फ सनी सिंह को 29 जुलाई 2015 को यूपी एसटीएफ ने मार गिराया। इसके बाद रौशन गुप्ता किड्डू को 26 नवम्बर 2020 को वाराणसी क्राइम ब्रांच ने मार गिराया। इन दोनों के बाद सोमवार को मनीष सिंह सोनू को यूपी एसटीएफ ने मार गिराया। मारे गए मनीष सिंह उर्फ सोनू पुत्र अनिल सिंह निवासी नरोत्तमपुर लंका के ऊपर वाराणसी के विभिन्न थानों में 24 व पूर्वांचल सहित यूपी के कुछ जिलों में कुल मिलाकर 36 मुकदमें पंजीकृत हैं। 9 मार्च 2021को इसके ऊपर इनाम राशि दो लाख करने की। घोषणा यूपी पुलिस के द्वारा की गई थी। पहले सोनू पर एक लाख का इनाम घोषित था, जिसे 28 अगस्त को चौकाघाट काली मंदिर के पास हुए डबल मर्डर की घटना में सीसीटीवी फुटेज में चिन्हित होने के बाद एडीजी वाराणसी जोन वृजभूषण की संस्तुति के बाद दो लाख का इनाम कर दिया गया था। तब से पुलिस उसकी तलाश में थी। मनीष सिंह सोनू का

नाम रोहनियां के एक व्यापारी से दस लाख की रंगदारी मांगने में सामने आया था। वर्ष 2021 के पांच अप्रैल को शुलटंकेश्वर से दर्शन-पूजन कर लौट रहे एनडी तिवारी की हत्या में भी उनका नाम सामने आया था। सितंबर 2020 में भी मिर्जापुर के चुनार में एक कंपनी के अधिकारी से रंगदारी मांगने और हत्या के मामले में नाम सामने आया था।

वाराणसी में दो लाख के इनामी मनीष सिंह सोनू को यूपी एसटीएफ ने लोहता इलाके में मुठभेड़ में मार गिराया

वाराणसी। वाराणसी में दो लाख के इनामी मनीष सिंह सोनू को यूपी एसटीएफ ने लोहता इलाके में मुठभेड़ में मार गिराया। 5 अप्रैल 2021 को शूलटंकेश्वर के पास हुई एनडी तिवारी हत्याकांड का मुख्य शूटर था सोनू सिंह। यूपी में योगीआदित्यनाथ की दूसरी सरकार बनने के बाद पहला बड़ा एनकाउंटर है। प्रदेश में योगी सरकार की वापसी के साथ ही अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसना शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में सोमवार को वाराणसी के लोहता में कुख्यात अपराधी मनीष सिंह उर्फ सोनू को यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। इस बाबत एसटीएफ आईजी लखनऊ की ओर से बताया गया कि शातिर अपराधी मनीष सिंह उर्फ सोनू पर दो लाख का इनाम था। पूर्वांचल के वाराणसी, जौनपुर और गाजीपुर सहित तमाम जिलों में उसकी आपराधिक गतिविधियां काफी समय से चर्चा में रही हैं। एसटीएफ को सोनू की लोकेशन लोहता के पास मिलने के बाद कार्रवाई शुरू हुई तो टीम ने मुठभेड़ में उसे ढेर कर दिया। मनीष सिंह उर्फ सोनू सिंह जो वाराणसी के नरोत्तमपुर, लंका का मूल निवासी था और इन दिनों चोलापुर के सुलेमापुर में रहता था। मनीष सिंह पर वाराणसी के अलावा अन्य जिलों के थाने में भी केस दर्ज हैं। वाराणसी चौक, कैंट, कोतवाली, चौबेपुर, भेलूपुर, फूलपुर, सिगरा,

रोहनिया, लंका, चेतगंज में मुकदमा हैं। वहीं सीतापुर, शाहजहांपुर, आजमगढ़ के देव गांव, जौनपुर के देव गांव, गाजीपुर के नंदगंज में पुलिस के रिकार्ड में नाम है। मनीष सिंह 'सोनू' एक कुख्यात बदमाश था। लंका थाना क्षेत्र के नरोत्तमपुर निवासी अनिल सिंह का बेटा मनीष सिंह 'सोनू' बचपन से चोलापुर के उंदी गांव में अपने एक रिश्तेदार के यहां रहता था। सोनू शुरू से ही अपराधिक मानसिकता का था। मुठभेड़ में सनी सिंह के मारे जाने के बाद मनीष सिंह खुलकर वाराणसी सहित आसपास के कई जनपदों में व्यापारियों को धमकी देकर रंगदारी मांगने के मामलें में जुट गया। दो लाख के इनामी बदमाश मनीष सिंह सोनू पर वाराणसी, मीरजापुर, आजमगढ़ सहित अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में लगभग दो दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। पहले सोनू पर एक लाख का इनाम घोषित था, जिसे 28 अगस्त को चौकाघाट काली मंदिर के पास हुए डबल मर्डर की घटना में सीसीटीवी फुटेज में चिन्हित होने के बाद एडीजी वाराणसी जोन वृजभूषण की संस्तुति के बाद दो लाख का इनाम कर दिया गया था। तब से पुलिस उसकी तलाश में थी। मनीष सिंह सोनू का नाम रोहनियां के एक व्यापारी से दस लाख की रंगदारी मांगने में सामने आया था। वर्ष 2021 के पांच अप्रैल को शुलटंकेश्वर से दर्शन-पूजन कर लौट रहे एनडी तिवारी की हत्या में भी उनका नाम सामने आया था।

गौरैया दिवस पर विशेष

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।अपने छोटे से आकार वाले खूबसूरत पक्षी चिडिया या गौरैया का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते बड़े हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। गौरैया के अस्तित्व पर छाए संकट के बादलों ने इसकी संख्या काफी कम कर दी है। घरों को अपनी चीं..चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती और कही कहीं तो अब यह बिल्कुल दिखाई नहीं देती। पहले यह चिडिया जब अपने बच्चों को चुग्गा खिलाया करती थी तो इंसानी बच्चे इसे बड़े कौतूहल से देखते थे।लेकिन अब तो इसके दर्शन भी मुश्किल हो गए हैं और यह विलुप्त हो रही प्रजातियों की सूची में आ गई है। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के मुताबिक गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास की चीज बन जाए और भविष्य की पीढियों को यह देखने को ही न मिले।विश्व के विभिन्न देशों में यह पाई जाती है।गौरैया का वैज्ञानिक नाम पासर डोमेस्टिकस है। यह पासेराडेई परिवार का हिस्सा है। यह कीड़े और अनाज खाकर अपना जीवनयापन करती है। यह लगभग 15 सेंटीमीटर के होती है मतलब बहुत ही छोटी होती है। शहरों के मुकाबलों गांवों में रहना

इसे अधिक सुहाता है। इसका अधिकतम वजन 32 ग्राम तक होता है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है।यह ह्रास ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद मोहम्मद ई. दिलावर जैसे लोगों के प्रयासों से गौरैया पर मंडरा रहे खतरे के कारण ही आज दुनिया भर में 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है,ताकि लोग इस पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकें। दिलावर द्वारा गौरैया संरक्षण के लिए नेचर फॉर सोसाइटी नामक एक संस्था शुरू की गई थी। दिलावर द्वारा शुरू की गई पहल पर ही आज बहुत से लोग गौरैया बचाने की कोशिशों में जुट रहे हैं। विश्व गौरैया दिवस पहली बार 2010 में मनाया गया था। प्रतिवर्ष पिछले दस सालों से 20 मार्च यानी विश्व गौरैया दिवस पर पर्यावरण एवं गौरैया संरक्षण के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहे लोगों को गौरैया पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। बलिया के महिला शिक्षक संघ की ब्लाक अध्यक्षा अन्नू सिंह के अनुसार आवासीय ह्रास,अनाज में कीटनाशकों के इस्तेमाल, आहार की कमी और मोबाइल फोन तथा मोबाइल टॉवरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगें गौरैया के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही हैं।आज लोगों में गौरैया को लेकर जागरूकता पैदा किए जाने की जरूरत है क्योंकि कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं।इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़ कर इसके पंखों को रंग देते हैं जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है। पक्षी विज्ञानी का मानना है कि गौरैया की आबादी में ह्रास का एक बड़ा कारण यह भी है कि कई बार उनके घोंसले सुरक्षित जगहों पर न होने के कारण कौए जैसे हमलावर पक्षी उनके अंडों तथा बच्चों को खा जाते हैं। उनके अनुसार गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए जहां वे आसानी से अपने घोंसले बना सकें और उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें।

भारत रतन उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की 106 वी जयंती पर वाराणसी में दरगाह-ए-फातमान पर चढ़ाए अकीदत के फूल

वाराणसी । दरगाह-ए-फातमान में सोमवार को शहनाई सम्राट भारत रतन उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की 106 वी जयंती मनाई गई। इस मौक़े पर मौजूद उस्ताद के स्वजन और कद्रदानो ने उनके मजार पर अकीदत के फूल चढ़ाएं और दुआ-ए- खैर मांगी। इसके पूर्व उनके मकबरे पर फातिहा पढ़कर कुरानख्वानी हुई कार्यक्रम संयोजक शकील अहमद जादूगर ने कहा कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां गंगा-जमुनी तहजीब के प्रतीक व भारत मां के सच्चे सपूत थे। इतने महान कलाकार होते हुए भी जिस सादगी का जीवन वह व्यतीत करते थे वह सदैव प्रेरणा देता रहेगा। बताया कि बिस्मिल्लाह खां का जन्म पैगम्बर खां और मिट्ठन बाई के यहां बिहार के डुमरांव के ठठेरी बाजार के एक किराए के मकान में हुआ था। वह भारत मां के सच्चे सपूत थे। जंयती समरोह के मौके पर उस्ताद की बड़ी बेटी जरीना फातिमा, नातिन कैकसा, पोते परवेज हसन के अलावा आफाक हैदर, जावेद व गाजी अब्बास समेत अन्य कद्रदान मौजूद रहे।

बलिया-सहतवार नए रेलवे ट्रैक पर 120 की स्पीड से दौड़ी ट्रेन रेल संरक्षा आयुक्त ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। रेल संरक्षा आयुक्त ने सहतवार-छाता व आसचौरा हाल्ट-बांसडीह रोड स्टेशनों पर दोहरीकृत व विद्युतीकृत स्टैंडर्ड मानकों के अनुसार नई लाइन फिटिंग्स तथा दोहरीकरण के अनुरूप समपार फाटकों, बूम लॉक व हाइट गेजों

को देखा। इस दौरान पूर्वोत्तर रेलवे कर वाराणसी-छपरा दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत बलिया-सहतवार(18 किमी) रेल खंड का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण कार्य पूर्ण होने पर उत्तर पूर्वी सर्किल रेल संरक्षा आयुक्त मो0 लतीफ खान ने शनिवार को नवनिर्मित दोहरी लाइन का निरीक्षण किया। इसे मूर्तरूप देने के लिए इस ट्रैक पर 120 की स्पीड से ट्रेन चला कर ट्रैक की क्षमता का निरीक्षण किया गया।रेल संरक्षा आयुक्त के साथ मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी रामाश्रय पांडेय भी उपस्थित रहे। मो.लतीफ खान सबसे पहले अपनी स्पेशल ट्रेन से सहतवार स्टेशन पहुंचे और रेलवे स्टेशन पर लगे नए उपकरणों का निरीक्षण किया। दोहरीकरण के मानक के अनुरूप यार्ड प्लान, इंटरलॉकिंग, विडीयू पैनल, ब्लाक यंत्र, स्टेशन वर्किंग रूल, स्टेशन पावर पैनल, रिले रूम, इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम, इमरजेंसी कैंसिलेशन वीडर काउंटर, प्लेटफार्म, पॉइंट क्रासिंग, सिगनल, बर्थिंग ट्रैक, ओवर हेड ट्रैक्शन, सिगनल ओवर लैप, फाउलिंग मार्क, सैंड हंप, फेसिंग एवं ट्रेलिंग पॉइंट्स, समपार फाटक आदि की संरक्षा परखी। उन्होंने सहतवार स्टेशन के निकट नवनिर्मित पावर सब स्टेशन का भी निरीक्षण किया। पावर डिस्ट्रीब्यूशन पर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली तथा नियंत्रण फीडर, अर्थिंग एवं समुचित आइसोलेशन की व्यवस्था की जांच की। रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्रॉली से सहतवार-बलिया रेल खण्ड मध्य किमी 52/0-1 पर माइनर ब्रिज 25 पर दोहरीकृत लाइन के लिए निर्मित ब्रिज की जांच की। इसके बाद किमी सं 53/7-8 इंटरलॉक समपार संख्या 11 का संरक्षा निरीक्षण किया। गेट मैन से विद्युतीकृत व दोहरीकृत रेल खंड में अपनाये जाने वाले संरक्षा ज्ञान को परखा। छाता आसचौरा हाल्ट का निरीक्षण किया। बांसडीह रोड स्टेशन का निरीक्षण किया। बलिया ब्लाक सेक्शन के मध्य किमी संख्या 59 से 62 तक दलदली नींव पर बनी रेल संरचनाओं का गहन निरीक्षण किया। रेल संरक्षा आयुक्त ने सहतवार-छाता आसचौरा हाल्ट-बांसडीह रोड स्टेशनों पर दोहरीकृत व विद्युतीकृत स्टैंडर्ड मानकों के अनुसार नई लाइन फिटिंग्स, संस्थापित नए सिगनलों टर्न आउट्स, बैलास्टिंग एवं पैकिंग, कर्वेचर पर क्लियरेंस तथा दोहरीकरण के अनुरूप समपार फाटकों, बूम लॉक व हाइट गेजों को देखा।

बलिया के ज्ञानकुंज एकेडमी प्रवेश परीक्षा सम्पन्न नये सत्र की प्रवेश के हेतु 723 परीक्षार्थी लिए भाग

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल प्रसाद गुप्त

बलिया।जिले के शिक्षा की क्षेत्र मे अग्रणी व एसी क्लासेज, वातानुकूलित वाहन की सुविधा युक्त बलिया का इकलौता प्रतिष्ठत शिक्षण संस्थानों में शुमार ज्ञानकुंज एकेडमी मे आज

रविवार को शिक्षण सत्र 2022 - 23 के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा विभिन्न उत्तम ब्यवस्थाओं के बीच संपन्न हुई। इस दौरान 750 पंजीकरण के सापेक्ष 723 अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। ज्ञातव्य हो कि इस विद्यालय प्रयोग करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए अथक प्रयास किया है। जिले के सिकन्दरपुर तहसील के बंशीबाजार स्थित ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रवेश परीक्षा प्रभारी दीपक तिवारी ने बताया कि वैश्विक महामारी के चलते यघपि में पूर्व प्राथमिक नर्सरी से 12वीं तक की स्तरीय शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से होती है। समस्त आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस विद्यालय में अध्ययन समस्त विद्यार्थिंयों के सर्वांगीण विकास के लिए अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध है।ज्ञानकुंज अपनी सम्भावनाओं व क्षमता का कि अनेक कारणों से शिक्षा के गुणवत्ता में व्यापक गिरावट आई हैं। बावजूद इस के ज्ञानकुंज ने अपनी संभावनाओं एवं क्षमता का प्रयोग करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने का अथक प्रयास किया है। यही कारण है कि प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों का पूरा झुकाव इस विद्यालय की ओर है। श्री तिवारी ने आगे बताया कि वर्तमान शैक्षिक वर्ग में पंजीकरण फार्म 14 जनवरी 2022 से उपलब्ध है।विभिन्न कक्षाओं हेतु प्रेदश कराए जाने के लिए 750 अभ्यार्थियों ने पंजीकरण हेतु नामांकन कराया था किन्तु पंजीकृत संख्या के सापेक्ष 723 अभ्यार्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। जबकि अनुपस्थिति परीक्षार्थियों की संख्या मात्र 27 रही। प्रवेश परीक्षा के बाद श्री तिवारी ने कहा कि प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का चयन उनकी शैक्षिक अभिरुचि, सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता और पिछली कक्षा के स्तर के आधार पर किया जाता है ।परीक्षा की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ओ0एम0आर0 के साथ साथ लेखन क्षमता के लिए 1 सीट भी उपलब्ध कराया गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पाण्डेय ने बताया की विभिन्न कक्षाओं के लिए उपलब्ध रिक्त स्थानों के सापेक्ष प्रवेश सफल अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट 24 मार्च को विद्यालय के सूचना पट्ट पर लगा दिया जाएगा।साथ ही अभ्यर्थियों के मोबाइल नंबर पर भी इस बारे में सूचना दी जाएगी।इस दौरान प्रबंधक डॉ0 देवेंद्र नाथ सिंह ने अभिभावकों से अनुरोध किया है कि निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत अपने पाल्यो का प्रवेश करा ले। विषय की अगली सूची स्थान उपलब्धता के आधार पर जारी किया जा सके ।अंतिम तिथि के पश्चात यह मान लिया जाएगा की सूची में चयनित अभ्यर्थियों के माता-पिता अभिभावक की रूचि प्रवेश में नहीं है। इसलिए अपना स्थान रिक्त करते हैं । विद्यालय के अध्यक्ष ज्योति स्वरूप पाण्डेय ने प्रवेश हेतु अभ्यथिर्यों की सफलता की मंगल कामना किया और कहा कि वे अपने विद्यार्थियों, अभिभावको , शिक्षको और कर्मचारियों के साथ है और सभी से सकारात्मक सहयोग की अपील करते हैं ।प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में उप प्रधानाचार्य श्रीमती शीला सिंह ,जेपी तिवारी सर, राजीव पाण्डेय,नेहा राय,शीबा नाज सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

संस्कृत बोर्ड की परीक्षा में शामिल होंगे 525 परीक्षार्थी

मीरजापुर । उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की प्रथमा से उत्तर मध्यमा तक की बोर्ड परीक्षाएं 26 मार्च से आरंभ हो रही हैं, जो 21 अप्रैल तक चलेंगा। सीसी टीवी कैमरे की निगरानी में संस्कृत बोर्ड की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जिले में संस्कृत बोर्ड परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में 525 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। सुचितापूर्ण और पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपनन कराने के लिए उड़ाक दल का गठन किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कंट्रोल रूम की भी स्थापना की गई है। यूपी बोर्ड की तरह संस्कृत बोर्ड ने भी परीक्षा को नकल विहीन संपन्न कराने के लिए कमर कस ली है। बोर्ड ने परीक्षा के दौरान सीसी टीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए है। परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें श्री सनातन भैरव संस्कृत उमा विद्यालय बरियाघाट, श्री भागीरथी ट्रस्ट संस्कृत विद्यालय चुनार और ड्रमंडगंज स्थित संस्कृत विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। डीआइओएस सत्येंद्र कुमार सिंह के अनुसार 26 मार्च से संस्कृत बोर्ड परीक्षा शुरू होगी, जो 21 अप्रैल तक चलेगी। कुल 16 कार्यदिवस का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है। छात्र-छात्राओं की सुगमता को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। केंद्र व्यवस्थापकों को हिदायत दी है कि परीक्षा के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर लें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

अज्ञात हमलावर ने व्यक्ति को मारपीट कर किया घायल

राजगढ़ (मीरजापुर) । क्षेत्र के भीटी गांव में शनिवार की देर रात अज्ञात हमलावरों ने अधेड़ व्यक्ति को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों को देख हमलावर अचानक गायब हो गए। क्षेत्र के भीटी गांव निवासी रामनारायन (45) पुत्र स्व. ज्योति आदिवासी शनिवार की देर रात रेलवे लाइन के पास शौच के लिए गए थे। इसी दौरान रेलवे लाइन के पास अचानक दो अज्ञात लोग दिखाई दिए और शौच कर रहे रामनरायन से लड़ाई व मारपीट करने लगे। रामनरायन के शोर मचाने पर पास में स्थित सोनकर बस्ती से कुछ लोग दौड़ कर घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने रामनारायन के साथ मारपीट कर रहे दोनों अज्ञात संदिग्धों को पकड़ना चाहा, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाते हुए हमलावर वहां से फरार हो गए। हालांकि किसी तरह घायल अधेड़ को उनके घर तक छोड़ कर सभी वापस लौट गए। रात की इस घटना को सुनकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। कुछ लोग उचक्कों की आशंका जता रहे हैं तो कुछ लोग भूत प्रेत होने की आशंका जाहिर कर रहे हैं। इस संबंध में चौकी प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है, अगर तहरीर मिलती है तो मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में मारपीट, एक महिला संग तीन घायल

बरौंधा (मीरजापुर) । क्षेत्र के परसिया गोकुल गांव में शनिवार की देर शाम हुई दो पक्षों के बीच मारपीट में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को अस्पताल ले गई। चिकित्सक ने महिला की हालत गंभीर देख मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। इस संबंध में घायल राजेंद्र प्रसाद के छोटे भाई कृष्णकांत मिश्र ने सात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। कृष्णकांत मिश्र द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार उनका भतीजा शिवम मिश्रा (21) शनिवार की देर शाम शौच करने के लिए खेत में गया था, जहां पहले से ही घात लगाए लाठी डंडे से लैस आरोपितों ने उसके ऊपर जानलेवा हमला कर टूट पड़े। इससे शिवम का पैर फ्रैक्चर हो गया। चीख सुनकर बीच बचाव के लिए परिवार के राजेंद्र प्रसाद (60) मौके पर पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इसी बीच राजेंद्र प्रसाद की पतनै जयराजी (57) पहुंच गई तो उनको भी मारने पीटने लगे इससे उनका सिर फट गया और गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंचे बरौंधा चौकी प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्षों में आबादी की भूमि को लेकर पहले से विवाद चला आ रहा है, जिसके परिप्रेक्ष्य में दोनों पक्षों का चालान किया गया था। मौके पर शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस की तैनाती करके निगरानी की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

प्रधान पर हमला करने वाले की गिरफ्तारी न होने से आक्रोश

अदलहाट(मीरजापुर) । थाना क्षेत्र के धोबहीं ग्राम में शनिवार को ग्राम प्रधान के ऊपर हमला करने के मामले में पुलिस द्वारा हमलावर की गिरफ्तारी न करने पर ग्राम प्रधानों ने प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपा तथा तत्काल गिरफ्तारी करने की मांग की। चेताया कि आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे दोबारा प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।ग्राम प्रधान संगठन जमालपुर के अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने अदलहाट थाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए ज्ञापन सौप कर मांग की कि अगर हमलावर की तत्काल गिरफ्तारी नहीं होती है तो प्रधान संगठन वाराणसी शक्तिनगर राज मार्ग को जाम कर प्रदर्शन करेगा। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार के दिन गांव के दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। मामले में बीच बचाव करने पहुंचे प्रधान को एक आरोपित ने थप्पड़ मार दिया था। ज्ञापन देने वालों में ग्राम प्रधान बिजय कुमार सिंह,दयाराम, सुनील सिंह,अनिल सिंह तेतरा देवी, मुराहू बिन्द, बिरेन्दर यादव, अभिनव तिवारी, धनंजय जायसवाल, दिनेश बिन्द, बनारसी गुप्ता, मुकेश सिंह, गीता देबी बिन्द ,अखिलेश पटेल, रमेश कुमार रामदुलार प्रजापति कमलेश गंगा राम समेत दर्जनों प्रधान रहे।

कोरोना पर भारी पड़ी होली की बहार पड़ी रंगों की फुहार

मीरजापुर । लगातार दो साल से छाया कोरोना का साया छंटा तो विध्य क्षेत्र की फिजा में होली की मस्ती घुली। गलियों से लेकर सड़क तक फागुन का उल्लास हर किसी के सिर चढ़कर बोला। सुबह होते ही हुरियारों की टोली सड़क पर निकल पड़ी। डीजे की धुन पर शराब व भांग के नशे में धुत्त युवा, बुजुर्ग मस्ती करते नजर आए। गिला-शिकवा भूलकर अबीर-गुलाल लगा एक-दूसरे से गले मिल होली की शुभकामनाएं दी। वहीं की टोली जमकर अबीर-गुलाल उड़ाए। होलिका दहन के बाद किशोर-युवाओं का हुजूम जोगीरा सारारारा.. गाते हुए शरारती मूड में आ गया। होलिका दहन से पूर्व होलिका का विधान पूर्वक पूजन हुआ। परंपरा के अनुसार परिवारों में लोगों ने सरसों का उबटन लगाकर हाथ पैर साफ किए। शरीर की मैल साफ करने वाला उबटन होलिका में डाला गया। मान्यता है कि ऐसा करने से शरीर निरोग रहता है। सुबह से ही गली-गली में बच्चों की टोली रंगभरी पिचकारी लेकर निकले और एक-दूसरे पर रंग डालना शुरू कर दिया। बच्चों की पिचकारी से निकले रंगों ने बड़ों का भी मन रंग दिया। फिर गली से निकलकर होली सड़कों पर आ गई और क्या बच्चे, क्या बूढ़े सभी रंगों में नहा गए। रंग ने छोटे-बड़े, गरीब-अमीर सबका भेद खत्म कर दिया। जो भी जिधर से गुजरा बिना रंगे वापस नहीं लौट पाया। इतने रंग बरसे कि शहर की मुख्य सड़कों से लेकर गलियां तक लाल नजर आने लगी। शहर में दोपहर तक यह दौर चला तो गांवों में शाम तक। दोपहर के बाद लोगों ने रंग छोड़ गुलाल का पैकेट पकड़ लिया और इसके साथ ही शुरू हुआ खिलाने-पिलाने व बधाइयों का दौर। सुंदर, धवल कपड़ों में सज-धजकर लोग एक-दूसरे को अबीर लगाकर बधाई देने लगे और आशीर्वाद लेने लगे। परंपरा के अनुसार छोटे बड़ों को गुलाल लगाकर उनसे आशीर्वाद ले रहे थे तो बड़े तिलक लगाकर बधाइयां दे रहे थे।

लोगों ने शाम को घर-घर जाकर अबीर-गुलाल लगा बड़े-बुजुर्गो का आशीर्वाद लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी रंगों की फुहार से खुद को बचा नहीं सके। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रही। अफसर भी लगातार शहर से लेकर देहात इलाकों में भ्रमणशील रहकर हालात का जायजा लेते रहे। समूचा जिला शुक्रवार भोर से ही रंगों में सराबोर दिखा। बच्चों से लेकर युवा छतों पर रंग घोलकर रखा तो गुलाल और रंग भरे गुब्बारे भी तैयार कर लिए। दिन निकलते ही हर तरफ माहौल रंगीन हो गया। हुरियारों

पशु पर भाला से वार करना किसान को पड़ा भारी

पटेहरा (मीरजापुर) । लहलहाती फसल नष्ट होने से बचाने के लिए निराश्रित पशु पर भाला से वार करना किसान को भारी पड़ गया। पुलिस किसान को पकड़कर थाने ले गई और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। किसान ने निराश्रित पशु को भाला से मारकर घायल कर दिया था। पटेहरा चौकी क्षेत्र के तुलसीपुर ग्राम पंचायत के बोदा में निराश्रित पशु को भाला लगा देख ग्रामीण हलकान हो गए। पशु को भाला लगने की सूचना आग की तरह फैल गई। मौके पर पीआरवी पुलिस व चौकी प्रभारी संतनगर दयाशंकर ओझा ने राजकीय हास्पिटल पटेहरा से दूरभाष पर वार्ता कर पशु की शरीर से भाला निकलवाने का प्रयास किया। सरकारी हास्पिटल पर चिकित्सक की अनुपलब्धता देख निजी चिकित्सक को बुलाकर किसी प्रकार उसके शरीर से भाला निकलवाया। जांच पड़ताल के बाद ग्रामीणों की सुरागरसी पर पुलिस गांव के ही संतोष (54) को पकड़कर चौकी ले गई। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि यह पशु कई दिनों से उसकी लहलहाती फसल को नष्ट कर रहा था। इससे क्रोध में भाला से मारना पड़ा। चौकी प्रभारी संतनगर ने बताया कि पशु का उपचार कराकर भाला सहित आरोपित को पकड़ा गया है। उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

चुनार (मीरजापुर)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कैलहट इलाके में शिवशंकरीधाम रेलवे क्रासिग के पास किसी ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। रविवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे ग्रामीणों ने ट्रैक पर पड़े क्षत विक्षत शव को देखा तो चुनार पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान जमालपुर थाना क्षेत्र के घनश्यामपुर गांव निवासी दीपक (18) पुत्र लल्हकू बियार के रूप में हुई है। घनश्यामपुर निवासी लल्हकू बियार कैलहट इलाके के एक ईट भट्ठे पर ईट पथाई का काम करते है। जनवरी महीने में घर पर धान की कटाई के बाद वह अपनी पतने कुसुम व बच्चों के साथ ईट भट्ठे पर पथाई के लिए आ गए थे। दीपक भी उनके साथ ही रहता था। रविवार की सुबह वह रेलवे लाइन की ओर शौच के लिए गया था और किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के दो छोटे भाई सुजीत, सूरज व बहन शालू हैं। घटना को संबंध में अभी कोतवाली में कोई तहरीर नहीं दी गई है।

मां विध्यवासिनी के आंगन में बिखरी अलौकिक छटा

विध्याचल (मीरजापुर) । मां विध्यवासिनी की जय व पहाड़ा वाली की जयकारे के साथ भक्ति की प्रवाह में बहने के लिए हर कोई आतुर दिखा। बूढ़े, बच्चे, युवा हो या महिला-पुरुष सब के सब आस्था पथ पर बढ़ते जा रहे थे। भीड़ इतनी थी कि लोग एक-दूसरे पर गिरते जा रहे थे। होली के दूसरे दिन शनिवार को मां विध्यवासिनी की चौखट पर ऐसा ही नजारा था। श्रद्धा के अनंत भावों के साथ श्रद्धालुओं ने मां विध्यवासिनी की चौखट पर शीश नवाया और सुख-समृद्धि की कामना की। होली के दूसरे दिन मां विध्यवासिनी के आंगन में श्रद्धा, विश्वास व आस्था का समागम हुआ। उत्साह, उमंग व उल्लास के साथ विध्यधाम पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां विध्यवासिनी का अबीर-गुलाल चढ़ाकर आशीर्वाद मांगा। मां विध्यवासिनी के भव्य श्रृंगार का दर्शन पाकर भक्त निहाल हो उठे। मंदिर भी भव्य तरीके से सजाया गया था। मां विध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के लिए सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरु हो गया था। कतारबद्ध भक्तों का कारवां बढ़ता गया और दोपहर तक स्थिति यह हो गई कि मंदिर पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। मां विध्यवासिनी के दर्शन के लिए भक्तों को घंटों इंतजार करना पड़ा। नारियल, चुनरी, माला-फूल के साथ कतारबद्ध श्रद्धालुओं की जयकारे से विध्यधाम गुंजायमान हो उठा। कोई झांकी तो कोई गर्भगृह पहुंच मां विध्यवासिनी का दर्शन कर मंगलकामना कामना की। मां विध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के बाद मंदिर परिसर पर विराजमान समस्त देवी-देवताओं को नमन किया। मंदिर से उतरते समय मां विध्यवासिनी के पताका को भी प्रणाम किया। इसके बाद लौटते समय विध्यधाम में सजी दुकानों से जरुरत की सामानें खरीदी। वहीं विध्य पर्वत पर विराजमान मां अष्टभुजा व मां काली का दर्शन कर त्रिकोण परिक्रमा भी की। विध्यवासिनी मंदिर पर भीड़ इतनी थी कि सारी की सारी व्यवस्था ध्वस्त दिखी। तीर्थ पुरोहित व पुलिसकर्मी लापरवाह बने थे।

पेयजल की समस्या से निजात दिलाने का प्रयास

अहरौरा (मीरजापुर)। गर्मी का मौसम शुरू होते ही नगर में पेयजल समस्या जबरदस्त बनी हुई है। पेयजल से निजात दिलाने के लिए नपा प्रशासन द्वारा हैंडपंप में समर्सेबल पंप लगाकर पानी की समस्या से निजात दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। नगर के चौक बाजार व पटवा टोला वार्ड में शनिवार को दो हैंडपंप में समर्सेबल पंप से पेयजल आपूर्ति शुरू किया गया है। नपा अध्यक्ष गुलाब मौर्या ने बताया कि बजट के आभाव में अभी वैकल्पिक व्यवस्था से पानी की सप्लाई सुचारू रूप से बनाए रखने का प्रयास किया गया है। नगर के विभिन्न वार्डो में पेयजल की समस्या दूर करने के लिए हर प्रकार से प्रयास किया जाएगा।

खैराही बंधी में 68 घंटे बाद उतराया मिला शव

ओबरा (सोनभद्र) । स्थानीय थानांतर्गत ग्राम पंचायत पनारी के टोला खैराही में बुधवार दोपहर बंधी में डूबे ग्रामीण का शव लगभग 68 घंटे बाद शनिवार सुबह उतराया मिला। जगरदेव अगरिया (55) पुत्र दशरथ गांव की बंधी में बुधवार को डूब गए थे। हादसे के 54 घंटे बाद शुक्रवार शाम तक उसकी खोजबीन की गई थी। शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

शहर से गांव तक रंग-गुलाल के साथ होली की धमाचौकड़ी

मीरजापुर । रंगोत्सव का उल्लास शहर से लेकर गांव तक देखा गया। बच्चे, युवा, बुजुर्ग हो या महिलाएं सभी रंगों से सराबोर दिखे। सुबह से ही वे रंगों से रंग गए थे। पारंपरिक तरीके से होली का त्योहार मनाया गया। रंग-गुलाल के साथ होली की धमाचौकड़ी हुई। कहीं होली मिलन समारोह, रंगभरी होली का आयोजन किया गया तो कहीं फगुआ गीत गाए गए। लोगों ने एक-दूसरे से गले लगकर जमकर धमाल किया। बच्चे और महिलाओं ने रंग लगाने-लगवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रंग का दौर थमने के बाद शाम को लोगों का एक-दूसरे के घर आकर गले मिलने का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। घरों में होली का मुख्य पकवान गुझिया के साथ तरह-तरह के व्यंजन पकाए गए। इन्हीं व्यंजनों से आगंतुकों का स्वागत किया गया। चुनार : जुमे के दिन होली का त्यौहार पड़ने के कारण मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम संयोजक गणेश शंकर दुबे ने लोगों को अबीर-गुलाल लगा गले मिलकर होली की बधाई दी। मझवां होली पर्व पर आही व बधवा में होली मिलन गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लाठी, भाला और कटारी लिए ढोल-मंजीरे की धुन पर दोनों गांवों की टोली 200 मीटर की दूरी बनाकर छह घोड़ों की अगुआई में जमुआ बाजार स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक जुलूस निकाली। छत से महिलाएं व पुरुष अबीर-गुलाल की वर्षा कर रहे थे। हलिया क्षेत्र के मवईकला में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह में जमकर अबीर-गुलाल उड़े। लोगों ने गुझिया व रसभंगा का आनंद लिया। होली गीत भी गाए गए। क्षेत्र के देवहट ड्रमंडगंज ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान कौशलेंद्र गुप्ता के आवास पर शनिवार को ग्रामीणों ने ढोलक की थाप पर फाग गीतों गाए गए। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी गई। कलवारी कलवारी माफी ग्रामसभा के पुरवा गुरुदेव नगर स्थित संतमत अनुयायी आश्रम में शनिवार को रंगभरी होली का आयोजन किया गया। आश्रम के स्वामी शरणानंद महाराज ने अनुयायियों पर पिचकारी से रंगों की बौछार कर सराबोर कर दिया। आस्था में डूबे भक्त रंगों में सराबोर होकर स्वामीजी का दर्शन कर निहाल हो गए। नेपाल, महाराष्ट्र समेत दूर-दराज से आए भक्त स्वामीजी के साथ होली खेले और परंपरागत फगुआ गीत गाकर सुनाया। आश्रम पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया था।

भाईचारे का परिचय दिया। चुनार चुनार नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रंग बरसै भीगे चुनर वाली रंग बरसै, होली के दिन दिल मिल जाते हैं जैसे गीतों पर लोग थिरकते रहे और एक दूसरे को रंग व अबीर-गुलाल लगाकर त्यौहार की बधाइयां देते रहे। सड़कों पर होली की मस्ती में चूर युवाओं की टोलियां हुड़दंग करती दिखाई दी। वहीं घरों में भी पकवानों की भीनी खुशबू महकती रही।दो साल की कोरोना पाबंदियों के बाद इस साल लोगों ने जमकर होली खेली। युवाओं ने पुलिस सतर्क नजर आई। पूरा दिन पुलिस अधिकारियों की गाड़ियां सायरन बजाती सड़कों पर नजर आई। नमाज के समय दोपहर में सीओ रामानंद राय व प्रभारी निरीक्षक गोपाल प्रसाद गुप्ता दरगाह शरीफ इलाके में डटे रहे और नमाज संपनन कराकर ही लौटे। वहीं दोपहर तक सड़कों पर होली की मस्ती में युवा रंगों से सराबोर घूमते रहे। लालगंज क्षेत्र के पतुलकी ग्राम पंचायत में शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी

यूपी बोर्ड परीक्षा के कक्ष निरीक्षकों को जारी होगा आइकार्ड

सोनभद्र। यूपी बोर्ड परीक्षा 24 मार्च से शुरू होगी। इसको लेकर तैयारियां जोरो पर चल रही हैं। इस बार जिले भर में 77 विद्यालयों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर कक्ष निरीक्षक यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आनलाइन तैनात किए जाएंगे। इसको लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से शिक्षकों का आंकड़ा भेजा जा चुका है। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने बताया कि माध्यमिक के 2000 व प्राथमिक विद्यालय के सभी शिक्षकों का नाम कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को भेजा गया है। वहां से तय होगा कि किसकी ड्यूटी लगेगी। वहीं से कक्ष निरीक्षकों को आनलाइन आइकार्ड भी जारी किया जाएगा। यही आइकार्ड लेकर कक्ष निरीक्षक विद्यालयों पर जाएंगे तभी उन्हें प्रवेश मिल सकेगा। डीआइओएस ने बताया कि इस बार की बोर्ड परीक्षा में छात्र-छात्राओं को दो रंग की उत्तर पुस्तिका दी जाएगी। बताया कि इस बार कुल 42600 परीक्षार्थी यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में हिस्सा लेंगे। इसके लिए कुल 77 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इतने ही केंद्र प्रभारी तैनात किए गए हैं। मजिस्ट्रेटों की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है। सचल दल भी बनाया जा रहा है। नकल विहीन और सुचिता के साथ परीक्षा कराने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। परीक्षा के दौरान कोविड गाइड लाइन का भी पालन किया जाएगा।

होली पर मिली 24 घंटे बिजली

ओबरा (सोनभद्र)। होली के दौरान तय शेड्यूल से हटकर प्रदेश के सभी हिस्सों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की गई। दीपावली की तरह ग्रामीण, तहसील और बुंदेलखंड क्षेत्र में भी 24 घंटे बिजली दी गई। महानगरों एवं जनपद मुख्यालयों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति होती थी। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे, तहसील में 21.30 घंटे तथा बुंदेलखंड में 20 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाती है। इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में भी 24 घंटे बिजली आपूर्ति की गई। ओबरा की इकाइयों से 700 मेगावाट उत्पादन शनिवार को ओबरा तापीय परियोजना की 200 मेगावाट वाली चार इकाइयों से 700 मेगावाट के करीब उत्पादन जारी था। ओबरा की नौवीं इकाई से 150 मेगावाट, दसवीं से 173 मेगावाट, 11वीं से 185 मेगावाट तथा 12वीं इकाई से 170 मेगावाट उत्पादन हो रहा था। इसके अलावा दिन में ओबरा जल विद्युत घर की दो तथा रिहंद की चार इकाइयों से उत्पादन जारी था। दिन में मांग में कमी के बीच उत्पादन निगम की इकाइयों से 3995 मेगावाट तथा निजी इकाइयों से 3957 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा था।

स्थानीय स्तर पर तकनीकी दिक्कतों को छोड़ दिया जाए तो निर्बाध आपूर्ति से जनमानस में काफी राहत मिली। बिजली की अधिकतम प्रतिबंधित मांग 373.52 मिलियन यूनिट रही जिसके सापेक्ष शत प्रतिशत आपूर्ति की गई। अभी तय शेड्यूल के तहत

नहीं काम आई बाबर आजम की रिकार्ड तोड़ पारी कराची टेस्ट भी हुआ ड्रा

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच नेशनल स्टेडियम कराची में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच भी ड्रा हो गया है। 506 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ने कप्तान बाबर आजम की शानदार 196 रन और मोहम्मद रिजवान की नाबाद 104 रन की पारी की बदौलत शानदार फाइट का परिचय दिया लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। मैच खत्म होने तक पाकिस्तान ने 7 विकेट पर 443 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट भी ड्रा रहा था। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 9 विकेट पर 556 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। आस्ट्रेलिया की तरफ से इस पारी में उस्मान ख्वाजा ने 160 रन, एलेक्स कैरी ने 93 और स्टीव स्मिथ ने 72 रन की पारी खेली थी। पाकिस्तान की तरफ से फहीम अशरफ और साजिद खान ने 2-2 विकेट हासिल किया। 556 रन के जवाब में जब पाकिस्तान की पहली पारी शुरू हुई तो कोई भी बल्लेबाज अर्धशतकीय पारी भी नहीं खेल पाया। पाकिस्तान की तरफ से सर्वाधिक स्कोर कप्तान बाबर आजम का रहा जिन्होंने 36 रन बनाए थे। मिचेल स्टार्क के 3 और डेब्यूटांट लेग स्पिनर स्वेप्सन के 2 विकेट, कमिंस, लायन और ग्रीन की 1-1 विकेट ने टीम को 148 रन पर आलआउट कर दिया। पहली पारी के आधार 408 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में केवल 2 विकेट पर 97 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और पाकिस्तान के सामने 506 रनों का लक्ष्य रखा। पाकिस्तान की दूसरी पारी शुरू होने से पहले आस्ट्रेलिया इस मैच में पूरी तरह से हावी था लेकिन एक बार फिर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का क्लास दिखा और उन्होंने 196 रनों की पारी खेली। अब ने चौथी पारी में पाकिस्तान की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने युनूस खान को पीछे छोड़ दिया है जिनका चौथी पारी में सर्वाधिक स्कोर 171 रनों का था। एक वक्त जब वे और रिजवान बल्लेबाजी कर रहे थे तो लगा कि पाकिस्तान कहीं इस लक्ष्य को हासिल तो नहीं कर लेगा लेकिन जैसे ही 392 के स्कोर पर बाबर आजम का विकेट गिरा पाकिस्तान की उम्मीदें धरी की धरी रह गई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से रिजवान 104 रन बनाकर नाबाद लौटे। दूसरी पारी में आस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन लायन ने 4 जबकि पैट कमिंस ने 2 विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच 21 मार्च से गद्दाफी स्टेडियम लाहौर में खेला जाएगा।

मिताली और हरमन ने फिर खेली बड़ी पारी, आस्ट्रेलिया को दिया 278 रन का लक्ष्य

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड में खेले जा रहे आइसीसी विश्व कप मुकाबले में भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले में दमदार खेल दिखाया है। कप्तान मिताली राज, उप कप्तान हरमनप्रीत कौर और यस्तिका भाटिया ने अपने अनुभव का प्रयोग करते हुए बड़े मुकाबले में बड़ा बेहतरीन खेल दिखाया। तीनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाया और टीम इंडिया ने 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 277 रन का स्कोर खड़ा किया। शनिवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में भारतीय टीम टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी। भारतीय टीम इस मुकाबले में एक बदलाव के साथ उतरी थी। दीप्ती शर्मा की जगह शेफाली वर्मा को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। स्मृति मंधाना और शेफाली के जल्दी आउट होने के बाद कप्तान मिताली ने कमान संभाली। शानदार फार्म में चल रही यस्तिका भाटिया ने तीसरे विकेट के लिए 130 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। डार्सी ब्राउन ने यस्तिका का 59 रन पर आउट कर जोड़ी को तोड़ा। इसके बाद एलाना किंग ने 68 रन पर खेल रही मिताली को आउट कर भारत को जोरदार झटका दिया। आखिर में हरमनप्रीत ने तेज बल्लेबाजी करते हुए फिफ्टी जमाई और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद की। 96 गेंद पर मिताली ने 4 चौके और 1 छक्के की मदद से 68 रन की पारी खेली और विश्व कप में 12वीं बार 50 रन का आंकड़ा पार कर विश्व कप रिकार्ड की बराबरी की। यस्तिका ने कप्तान का साथ निभाते हुए 83 गेंद पर 6 चौके जमाते हुए 59 रन की पारी खेली। नीचले क्रम में हरमन ने बाद 57 रन की पारी खेली। पूजा वस्त्राकर ने 2 चौके और 1 छक्के की मदद के 28 गेंद पर 34 रन की पारी खेली।

कप्तान मेग लैनिंग की कप्तानी पारी के दम पर आस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर दर्ज की लगातार 5वीं जीत

नई दिल्ली। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच इडेन पार्क आक्लैंड में खेले गए मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया है। ये उनकी वर्ल्ड कप में लगातार 5वीं जीत है और अब तक टीम किसी से भी हारी नहीं है। आस्ट्रेलिया की इस जीत में कप्तान मेग लेनिंग की बेहतरीन बल्लेबाजी का योगदान रहा जिन्होंने शानदार 97 रन बनाए। इस जीत के साथ ही आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंच गई है। आस्ट्रेलिया ने स्कोर का पीछा करते हुए सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। हालांकि भारतीय टीम अब भी प्वाइंट्स टेबल में टाप 4 में है लेकिन यहां से आने वाले मैचों में उसे हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। 278 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की और पहले विकेट की साझेदारी के लिए 121 रन जोड़े। एलिसा हेले ने शानदार 72 और रिचेल हेंस ने 42 रनों का योगदान दिया। एलिसा का यह 15वां वनडे अर्धशतक है। लक्ष्य का पीछा करते हुए जब आस्ट्रेलिया का स्कोर 2 विकेट पर 225 रन था तो बारिश के कारण मैच रुक गया था। उस वक्त आस्ट्रेलिया को जीत के लिए 54 गेंदों में 53 रनों की जरुरत थी और उसके 8 विकेट सुरक्षित थे। कप्तान मेग लेनिंग 73 और एलिसा पेरी 28 रन पर नाबाद थी। इससे पहले भारत ने टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिताली राज और हरमनप्रीत के शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट पर 277 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और 6 ओवर के अंदर उसके दोनों ओपनर स्मृति मंधना और शैफाली वर्मा आउट हो गई थीं। तीसरे विकेट के लिए मिताली और यास्तिका ने 130 रन की साझेदारी कर टीम की वापसी कराई। बाद में हरमन और पूजा वस्त्राकर ने 47 गेंदों पर 64 रन जोड़कर टीम को 277 के स्कोर तक पहुंचाया। मिताली राज ने 68, यास्तिका भाटिया ने 59 और हरमनप्रीत कौर ने 57 रन की पारी खेली। अब भारत को बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। टीम अब 22 मार्च को बांग्लादेश से और 27 मार्च को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। मिताली राज के सामने सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण अफ्रीका की टीम है जो आस्ट्रेलिया की तरह अब तक कोई भी मैच नहीं हारी है।

श्रेयस अय्यर ने बताया रोहित शर्मा या विराट कोहली नहीं केएल राहुल हैं उनके फेवरेट कप्तान और क्यों.....

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर अब भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के हर प्रारूप में खेलते हैं साथ ही वो आइपीएल 2022 सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। वैसे तो श्रेयस अय्यर विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों की कप्तानी में खेला है, लेकिन उन्होंने केएल राहुल को अपना फेवरेट कप्तान बताया। श्रेयस अय्यर ने इस साल साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान केएल राहुल की कप्तानी में तीन वनडे मैच खेले थे। श्रेयस अय्यर ने इस वनडे सीरीज में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तीन पारियों में 65 गेंदों का सामना करते हुए कुल 54 रन बनाए थे। श्रेयस के लिए ये सीरीज अच्छी नहीं रही थी, लेकिन 2019 के बाद पहली बार उन्हें वनडे सीरीज में खेलने का मौका मिला था। श्रेयस अय्यर शुद्ध बल्लेबाज हैं और बेहद कम मौके पर उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखा गया है, लेकिन इस साल साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान तीन मैचों की वनडे सीरीज के एक मुकाबले में 3.1 ओवर गेंदबाजी की और बिना कोई विकेट हासिल किए 22 रन दिए। श्रेयस अय्यर ने इसके लिए केएल राहुल का धन्यवाद अदा किया और उन्हें अपने पसंदीदा कप्तान के रूप में चुना और कहा कि उन्हें अन्य किसी कप्तान ने एक मैच में इतने ओवर गेंदबाजी करने का मौका नहीं दिया। श्रेयस अय्यर ने क्लब हाउस पर रेड बुल क्रिकेट रूम में कहा कि केएल राहुल के अंडर में खेलना काफी अच्छा था। सबसे पहले वो एक आउटस्टैंडिंग प्लेयर हैं। वो टीम की बैठक में या फिर मैदान पर जिस तरह का आत्मविश्वास दिखाते हैं और खिलाडियों को जिस तरह से सपोर्ट करते हैं वो बहुत ही अच्छा है। उनका व्यवहार बहुत ही शांत है और उनका मैदान पर निणय्य लेना बहुत सहज है। मुझे उनके अंडर में खेलने में बहुत मजा आया। साथ ही, उन्होंने मुझे तीन ओवर की गेंदबाजी दी, जो पहले किसी भी कप्तान ने नहीं की थी। तो हाँ, वो मेरे पसंदीदा कप्तान है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर दर्ज की वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत

नई दिल्ली। आइसीसी महिला वर्ल्ड कप के 16वें मैच में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हरा दिया है। टीम को अभी तक एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। टास जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए न्यूजीलैंड ने अफ्रीका के सामने 229 रनों का लक्ष्य रखा था जो उसने आखिरी ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। अफ्रीका की ये वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत है। प्वाइंट्स टेबल में अब वे नेट रन रेट के आधार पर आस्ट्रेलियाई टीम से पीछे है। आस्ट्रेलिया फिलहाल टेबल में शीर्ष पर कायम है। उसने भी 4 मैचों में से चारों में जीत दर्ज की है। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन शतक बनाने से चूक गईं। वे 93 रन के स्कोर पर आउट हो गईं। उन्हें अफ्रीकी गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने बोल्ड किया। उनके अलावा न्यूजीलैंड के लिए एमिली कैर ने 42, मैडी ग्रीन ने 30 और ब्रूक हेलीडे ने 24 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में दक्षिण अफ्रीका की तरफ से शबनीम इस्माइल और अयाबोंगा ने 3-3 विकेट हासिल किए। आखिरी ओवर में अफ्रीकी टीम को 6 रनों की जरुरत थी, लेकिन 50वें ओवर की पहली गेंद पर ही चौका मारकर मेरीजाने काप ने मुश्किल आसान कर दी और टीम को एक और जीत दिला दी। मैच के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने सोफी डिवाइन के बल्लेबाजी की तारीफ की। अफ्रीका का अगला मैच 22 मार्च को आस्ट्रेलिया के साथ जबकि न्यूजीलैंड का अगला मैच 20 मार्च को इंग्लैंड के साथ होगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने बताया क्यों बारहवीं क्लास में दो महीने के लिए कर दिए गए थे सस्पेंड

नई दिल्ली। गौतम गंभीर एक ऐसे क्रिकेटर रहे जो देश के लिए खेलते हुए किसी भी हद तक गुजरने को तैयार रहते थे। उनकी पहचान एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर थी जिन्होंने भारत को दो वर्ल्ड कप (2007 टी20 वर्ल्ड कप, 2011 वनडे वर्ल्ड कप) खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। गंभीर एक ऐसे क्रिकेटर थे जो विरोधी खेमे से मैच कैसे छीनना है इसे अच्छी तरह से जानते थे। गंभीर के इस गुणों की वजह से उनके बहुत सारे फैन हैं और वो कभी भी मैदान पर लड़ने से पीछे नहीं रहे। आइपीएल में भी बतौर कप्तान वो काफी सफल रहे और अपनी टीम केकेआर को दो बार चैंपियन बनाया। गौतम गंभीर ने यूट्यूब चैनल पर जतिन सप्रू के साथ बातचीत में खुलासा किया कि बचपन से ही उनका रवैया ऐसा रहा है और वो ऐसे व्यक्ति थे जिनके साथ स्कूल समय में भी काफी झगड़े होते थे। दो बार के आइपीएल विजेता इस क्रिकेटर ने खुलासा किया कि जब वो 12वीं क्लास में पढ़ते थे तब उन्हें दो महीने के लिए क्लास से सस्पेंड कर दिया गया था। गंभीर ने कहा कि मैंने स्कूल में काफी झगड़े किए हैं। 12वीं क्लास के आखिरी दिनों में जब सभी बच्चे स्कूल जाना चाहते थे मैं रणजी ट्राफी भी खेल रहा था और मुझे दो महीनों के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद मैं सीधे बोर्ड परीक्षा में बैठा था।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दर्ज की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर वनडे सीरीज में धमाकेदार जीत के साथ इतिहास रचा है। टीम ने तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने शाकिब अल हसन के 77 के दम पर 7 विकेट पर 314 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में मेजबान साउथ अफ्रीका की पूरी टीम 48.5 ओवर में 276 रन पर ढेर हो गई। इसी के साथ टीम ने प्रोटियाज टीम के खिलाफ उनकी सरजमीं पर पहली वनडे जीत हासिल की है। तमीम इकबाल की कप्तानी में साउथ अफ्रीका में खेलने पहुंची टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टास हारने के बाद बल्लेबाजी करते हुए टीम ने तीन खिलाडियों के अर्धशतक के दम पर 300 से उपर का स्कोर खड़ा किया। शाकिब, लिटन दास और यासिर अली ने हाफ सेंचुरी जमाई और टीम के जीत की नींव तैयार की। कप्तान तमीम ने भी 41 रन का योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश के लिए तमीम और लिटन ने पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। एंडिले फेहुलक्वायो ने तमीम का विकेट हासिल कर इस साझेदारी को तोड़ा। कप्तान 67 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के के मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। लिटन ने इतने ही गेंद का सामना किया और 50 रन की पारी खेली।

रिकी पोंटिंग ने बताया टीम में रिटेन किए गए खिलाडियों की क्या है सबसे बड़ी जिम्मेदारा

मुंबई। आइपीएल 2022 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम में कई नए खिलाडियों को शामिल किया गया है। अब टीम में कुछ पुराने खिलाड़ी हैं और ज्यादातर नए चेहरे हैं और टीम के इस मिश्रण के बारे में हेड कोच रिकी पोंटिंग का कहना है कि जिन खिलाडियों को फ्रेंचाइजी ने बरकरार रखा है, उन पर अब टीम में आए नए व युवा खिलाडियों का मार्गदर्शन करने की बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली फ्रेंचाइजी ने इस सीजन के लिए हुए मेगा नीलामी से पहले चार खिलाडियों कप्तान रिषभ पंत, ओपनर बल्लेबाज पृथ्वी शा, स्पिन आलराउंडर अक्षर पटेल और साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नार्त्जे को रिटेन किया था। टीम के कोच रिकी पोंटिंग 26 मार्च से शुरू हो रहे आइपीएल 2022 से पहले अन्य खिलाडियों को समझने की कोशिश कर रहे हैं। रिकी पोंटिंग ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मैंने खिलाडियों से कहा है कि जब वे अपने कमरे में हों तो अपने दरवाजे खुले रखें और एक-दूसरे को जानें। मैं उन सभी युवा खिलाडियों के साथ नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना खाने जा रहा हूं जिन्हें मैं नहीं जानता हूं। आस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि जब आप कोच या सीनियर खिलाड़ी के रूप में युवा खिलाडियों के प्रति प्यार दिखाते हैं, तो आप जानते हैं कि वे इसे वापस करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी कुछ समय से दिल्ली कैपिटल्स के खेमे में है, निश्चित रूप से उनकी जिम्मेदारी है कि वे टीम में युवाओं का मार्गदर्शन करे। पोंटिंग ने कहा कि रिषभ टीम के कप्तान हैं तो वह वैसे भी यह काम करने जा रहा है, लेकिन पृथ्वी, अक्षर और नार्त्जे जैसे लोगों की भी टीम के अंदर अपनी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां होंगी। पोंटिंग टीम के साथ अपने पहले प्रशिक्षण सत्र में शामिल होने के बाद खिलाडियों की ऊर्जा से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस समय हमारा ध्यान इस बात पर है कि हम अपने पहले मैच के लिए तैयार रहे। खिलाडियों के साथ मेरा पहला सत्र बहुत अच्छा रहा।

राशिफल

मेष-:आज आपका अनुशासन टूट सकता है. पुराने मामले न उठाएं। खर्चे भी होने की संभावना बन रही है। आलस्य के कारण कोई काम टल सकता है।

वृष-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि ये आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। मनोरंजन और सुंदरता बढ़ाने में ज्यादा समय न लगाएं।

मिथुन-:आज का दिन खास रहने वाला है. आप सकारात्मक तरंगों से भरे रहेंगे। आज कोई महत्वपूर्ण बात दूसरों से न शेयर करें, लोग इसका गलत फायदा उठा सकते हैं।

कर्क-:आज का दिन खुशियां लेकर आया है. अगर आपका जीवनसाथी से कई दिनों से मनमुटाव चल रहा है तो आज आपकी मुस्कान उनकी नाराजगी दूर करने की सबसे अच्छी दवा है।

सिंह-:अपनी नकारात्मक भावनाओं और प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखें। आपकी रूढ़िवादी सोच/पुराने विचार आपकी प्रगति में बाधक बन सकते हैं,

कन्या-:आज का दिन सुख देने वाला है. आज आपको कुछ खास जानकारी मिलने वाली है। जिस काम में आप कई दिनों से रात-दिन कर रहे थे। वह काम बड़ी आसानी से पूरा हो जाएगा।

तुला-:आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत होंगे।

वृश्चिक-:आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बहुत अच्छा है, जिन्हें करने से आप अपने बारे में अच्छा महसूस करते हैं. निश्चित रूप से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा

धनु-:आज आपके मन में नए विचार आएंगे. साथ ही जिन कार्यों को आप आज करने के लिए चुनेंगे वे आसानी से पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग जो टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े हैं।

मकर-:आज आपको आराम करने और करीबी दोस्तों और परिवार के साथ कुछ खुशी के पल बिताने की जरूरत है. जल्दबाजी में निवेश न करें- यदि आप इसे हर संभव कोण से देखते हैं

कुंभ-:आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगा रहेगा। नई रचना शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ है। आज किसी जरूरी काम में रुकावट आ सकती है, धैर्य से काम लें।

मीन-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप आज कोई जरूरी काम पूरा करने की सोच रहे हैं तो वो समय से पहले पूरा कर लेंगे।

सम्पादकीय

चक्रवात 'असानी' को लेकर हाई अलर्ट, भारी बारिश और तेज हवाओं का खतरा अंडमान और निकोबार में स्कूल-कॉलेज बंद

बंगाल की खाड़ी में पिछले कुछ दिन से बना निमन्न दबाव का क्षेत्र आज प्रबल होने की संभावना है और चक्रवाती तूफान असनी (हिर) के आने की पूरी संभावना है। जान-माल की हानि को देखते हुए सेना तक को अलर्ट पर रखा गया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से मछुआरे को समुद्र में जाने से मना कर दिया गया है। निचले इलाकों से अंडमान प्रशासन ने स्थानीय लोगों को खाली कराना शुरू कर दिया है। अंडमान में भारी बारिश संभावना है। सेना के जवानों को अलर्ट पर रखा गया है। इसे देखते हुए अंडमान और निकोबार प्रशासन ने 21 मार्च यानी आज से एहतियात के तौर पर केंद्र शासित प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया है। द्वीपों के कुछ हिस्सों में दोपहर से ही भारी बारिश शुरू हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के निदेश मृत्युंजय महापात्रा ने कहा है कि यह निमन्न दबाव का क्षेत्र दक्षिण बंगाल से अडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहुंच चुका है। यह अंडमान निकोबार से होते हुए म्यांमार और बांग्लादेश की ओर मुड़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक पहले तेज हवाओं के साथ आंधी आएगी और यह प्रबल होकर चक्रवातीय तूफान में बदल जाएगा। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सोमवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना है क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव उत्तर की ओर आ रहा है। जेनामणि ने कहा कि अभी तक यह एक डिप्रेशन है जो सोमवार सुबह तक एक डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा और सोमवार शाम तक यह एक चक्रवाती तूफान में और तेज हो जाएगा। अगर यह एक चक्रवाती तूफान में उभरता है तो इसे साइक्लोन आसनी के नाम से जाना जाएगा। आईएमडी के वैज्ञानिकों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि शनिवार शाम तक दक्षिणपूर्व और दक्षिण अंडमान समुद्र के ऊपर बना दबाव 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ने लगा है। बंगाल की दक्षिण-पूर्वी खाड़ी, कार निकोबार (निकोबार द्वीप समूह का उत्तरी भाग) के उत्तर-उत्तर-पूर्व के लगभग 200 किमी और पोर्ट ब्लेयर (अंडमान द्वीप समूह) के दक्षिण-दक्षिण-पूर्व के 100 किमी के ऊपर अवसाद, अगले में एक गहरे अवसाद में तीव्र हो जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक अंडमान में आज हवा की रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे से 75 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। शाम तक इसकी रफ्तार में और तेजी आएगी। अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में सामुद्रिक हलचलें तेज होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्व मध्य और उससे सटे दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में सामुद्रिक हलचलें तेज हो गई है। सोमवार को अंडमान द्वीप समूह के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके बाद भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अंडमान में आज हवा की रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे से 75 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। शाम तक इसकी रफ्तार में और तेजी आएगी। अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में सामुद्रिक हलचलें तेज होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्व मध्य और उससे सटे दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में सामुद्रिक हलचलें तेज हो गई है। सोमवार को अंडमान द्वीप समूह के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके बाद भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

सुकेत रियासत के समय शुरू हुआ सुंदरनगर का नलवाड़ मेला, व्यापारिक दृष्टि से भी है महत्वपूर्ण, जानिए कैसे हुआ था शुरू

त्योहार या उत्सव किसी राष्ट्र के जीवित होने का प्रमाण होते हैं। भारत एक प्राचीन राष्ट्र है और यहां अनेक जातियां समय-समय पर आकर बसती रही हैं। यहां के सांस्कृतिक जीवन में अनेक मोड़ आए तथा कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को याद रखने के लिए हमारे यहां त्योहार और मेले मनाने की प्रथा चल पड़ी। अपने प्रारंभिक रूप में मेले और त्योहार केवल खुशियां मनाने के लिए थे, परंतु कालांतर में अनेक ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक कारण इससे जुड़ गए। किसी समाज के सांस्कृतिक जीवन का असली रूप त्योहारों व मेलों के अवसरों पर ही देखने को मिलता है। इन त्योहारों और मेलों से उस क्षेत्र की लोक पर परा इतिहास, सामाजिक परिवेश का विंव उभरता है। यहीं लोगों के वर्तमान को अतीत से बांधकर उनकी मूल परंपराओं को अक्षुण बनाए रखते हैं। मेले और त्योहार जहां हमारे जीवन में खुशियां लेकर आते हैं। हमें नए उत्साह से भर जाते हैं। वहीं नई जीवन शक्ति एवं प्ररेणा का बीज डाल जाते हैं। त्योहार हमारी जीवन्तता के प्रतीक है। सुंदरनगर का ऐतिहासिक राज्यस्तरीय नलवाड़ व पारंपरिक देवता मेला इस बात का सूचक है। सुकेत रियासत के समय शुरू हुआ नलवाड़ मेला व्यापारिक दृष्टि से एक दिन उत्तरी भारत का अग्रणी मेला बन जाएगा। इस बात की आयोजकों ने शायद कभी कल्पना नहीं की होगी। अच्छी नस्ल के पशुओं की क्रय विक्रय करने के लिए व्यापारियों व किसानों को इस नलवाड़ मेले का वर्ष भर इंतजार रहता है। सांस्कृतिक धरोहर को अपने आप में समेटे मेले जहां देव समागम की अदभुत छटा को चहुं दिशाओं में बिखेरते है, वहीं पारंपरिक संस्कृति को आम जनमानस के मानसिक पटल पर उकेरते हुए नई पीढ़ी को आध्यात्म की ओर आकर्षित करते हैं। मंडी तत्कालीन सेन वंश के राजा करतार सेन ने ग्रामीण परिवेश में कृषि को सुदृढ़ व उनन्त बनाने के लिए सुंदरनगर में सुकेत नलवाड़ मेले का शुभारंभ किया, ताकि सुकेत रियासत एवं इसके साथ लगती रियासतों के किसान अपनी आवश्यकता अनुसार पशुओं की क्रय विक्रय कर सकें। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नलवाड़ मेले ने नित नए आयामों को छुआ व धीरे-धीरे

यह नलवाड़ मेला प्रदेश का हर नही बल्कि उत्तरी भारत में पशु मंडी के रूप में विख्यात हुआ। सरकार ने मेले की महत्ता को देखते हुए इसे राच्य स्तरीय घोषित किया। किसानों के ज्ञान वर्धन के लिए यहां विभिनन प्रदर्शनियों एवं मनोरंजन के लिए छिंज व अन्य सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किए जाने लगा। धीरे-धीरे इससे क्षेत्र में किसानों की समृद्धि हुई। मेले से स्थानीय नगर परिषद को अच्छा खासा राजस्व प्राप्त होने लगा। विज्ञान की नई खोजों ने इस मेले की मौलिकता पर आज प्रशन चिंह लगा दिया है। ट्रैक्टर के आविष्कार से मैदानी भागों में बैलों के द्वारा खेत को जोतने की प्रथा पूर्णतः बंद हो गई। कृषि जोत दिन ब दिन घटने की सूरत में बैलों की जोड़ी पालना स्वयं ही असंभव हो गया। आज हालत इस कदर बदल चुके है कि बैल पालना स्टेटस सिंबल से बाहर हो चुका है, जो कोई बैल पाल लेता है वह अपना छोटा-मोटा कृषि कार्य पूरा करने के बाद इन्हें बेसहारा छोड़ देता है। महंगी जोड़ियां जो मैदानी भागों में पाली जाती थी तथा इस मेले की शान हुआ करती थी, आज विलुप्त हो चुकी है। मेले में पहाड़ी क्षेत्रों में पाले जाने वाले बैल जिन्हें स्थानीय भाषा में 'बोलू' कहते हैं,वहीं नजर आते हैं। मंडी मेले हमारी संस्कृति, सभ्यता,भाईचारे व आपसी मेलजोल के प्रतीक माने जाते है। इनमें उत्तरी ाारत का प्रसिद्ध सात दिवसीय सुंदरनगर नलवाड़ मेला शुमार है। मेला प्रत्येक वर्ष 22 से 28 मार्च तक मनाया जाता है। सुकेत रियासत के राजा करतार सेन के समय से ही नलवाड़ मेले को मनाने की परंपरा चली आ रही है। नलवाड़ मेले का इतिहास पांच सौ वर्ष पुराना है। सुकेत के रियासत के राजा करतार सेन ने इस पशु मेले को 'तंगड़ मंडी' के नाम से करतारपुर (पुराना नगर) से प्रारंभ किया था। ऐसी किवदंती है कि 1520 ईस्वी में तत्कालीन राजा करतार सेन ने अपनी राजधानी लोहारा से करतारपुर वर्तमान में पुराना बाजार में स्थापित किये जाने के उपलक्ष्य में इस मेले का शुभारंभ किया था। बताते हैं कि कुछ वर्षरें के बाद पुराना नगर में पानी की किल्लत से परेशान राजा ने अपनी राजधानी यहां से चत्तरोखड़ी (बनेड़) में सुंदरनगर वन के पास स्थानांतरित कर दी। इसके अलावा लोगों में मेले को लेकर तरह-तरह की बातें की जाती है। मंडी करतारपुर (पुराना नगर) से राजधानी स्थानांतरित होने के बाद मेला स्थल बदल गया। पहले यह मेला मेला चौगान नामक स्थान पर लगता था, वर्तमान में जहां राजकीय माध्यमिक पाठशाला है। राजधानी तबदील होने के साथ यह मेला भोजपुर के निकट नगौण खड्ड में मनाया जाने लगा। मंडी शुकदेव ऋषि की तपोभूमि सुंदरनगर में नलवाड़ मेले का अहम स्थान है। मेले में किसानों को जहां एक ही स्थान पर अच्छी नस्लों के मवेशी खरीदने का मौका मिलता है,वहीं व्यापारियों को अपने पशु बेचने का अच्छा बाजार मिल जाता है। नलवाड़ मेले की कमान नगर परिषद तो कभी प्रशासन के हाथों रही। गत कुछ वषी से मेले का आयोजन अब प्रशासन करता आ रहा है। 22 मार्च 1994 को राज?य सरकार ने इसे मेले को राज्य स्तरीय दर्जा प्रदान किया था। मेले में पारंपरिक परंपराओं का निर्वाह आज किया जाता है। नगौण खड्ड में बैल पूजन के खूंटी गाड़ने के बाद जवाहर पार्क में ध्वजारोहण के बाद मेला विधिवत रूप से शुरू होता है। मंडी नलवाड़ मेले के अंतिम दो दिनों में कुश्तियां लोगों के आकर्षण का केंद्र होती है। कुश्ती मुकाबलों में स्थानीय पहलवानों के साथ-साथ पड़ोसी राच्य पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व जम्मू कश्मीर के कई नामी पहलवान भाग लेते हैं। कुश्तियों प्रतियोगिता में कड़े मुकाबलों में सुकेत कुमार व सुकेत केसरी का चयन होता है। मंडी बैलों की खरीद-फरोख्त में अन्य मेलों को पछाड़ इस पशु मेले का प्रारंभ गौधवजा पूजन से होता हे। मेले में हजारों की संख्या में पशुओं का क्रय-विक्रय होता है। बैलों की खरीद -फरोख्त के मामले में यह मेला पड़ोसी जिला बिलासपुर की नलवाड़ को पछाड़ता आ रहा है। कोरोना की वजह से दो साल से मेले का आयोजन नहीं हुआ था। मंडी इतिहास के पननें को पलट कर देखा जाए तो बताते हैं कि राजा पर्वत सेन के साथ 1500 ईस्वी में एक त्रासद घटना घटी। पर्वत सेन के पास शिकायत आई कि एक ब्राह्मण ने राजसी महिला के साथ अनैतिक संबंध बना रखे हैं। इस बात को लेक आगबबूला राजा ने बगैर किसी प्रमाण व जांच के ब्राह्मण पुरोहित को जमकर फटकार । पुरोहित ने अपनी निदीषता के विरुद्ध आवाज उठाई लेकिन राजा टस से मस नही हुआ। दुखी पुरोहित ने राजा को श्राप देकर आत्महत्या कर ली। बताते हैं कि इस घटना के बाद राजा बीमार हो गया। बाद में सुकेत रियासत के सिंहासन पर जब करतार सेन सत्तासीन हुए तो उनके मन में यह संदेश घर गया कि लोहारा ब्रहम हत्या के कारण श्राप ग्रस्त हो गया है इसलिए उन्होंने अपनी राजधानी स्थानांतरित कर डाली व त्रा बड़ी वन में महल का निर्माण करवाया। मंडी सुंदरनगर का नलवाड़ मेला उत्तर भारत का सबसे पुराना पशु मेला माना जाता है। जनश्रुति अनुसार प्राचीन सुकेत रियासत में सेन वंश के एक राजा को उन पर पड़ने वाले बुरे ग्रहों के निवारण के लिए एक विद्वान ने एक हजार बैलों के पूजन का उपाय बताया। उसके बाद इसी वंश के शासक करतार सेन ने मेले का आरंभ किया। कुछ इतिहासकार इसे राजा नल से जोड़ते है तो दूसरे मत के अनुसार नलवाड़ शब्द बंगाल व असम से आया हुआ बताते है, जिसका अर्थ हाट बाजार से है मंडी सुकेत रियासत में मेले व त्योहारों की गौरवशाली परंपरा रही है। आधुनिकता व अनदेखी के चलते इस समृद्धशाली परंपरा को ग्रहण लगने से अधिकांश मेलों का वजूद सिमटने के कगार पर है। पुराना बाजार के चौगान में झकड़याधी जातरा, आंबेडकर नगर में ओड़की मेला, डिनक में डिनक मेला तथा महादेव,भौण, डैहर, पांगणा आदि स्थानों में मेलों का आयोजन होता था। झकड़याधी जातर में सुकेत रियासत के दूरदराज क्षेत्रों से आए लोग न्योजे, पूहलें, भंगोलू, ऊन, पश्म से बने गर्म वस्त्र आदि का व्यापार करते थे। डिनक मेला हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक माना जाता था।

परिवारवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान वंशवादी राजनीति के विरुद्ध निर्णायक सिद्ध हो सकता है

वर्ष 1994 में आई फिल्म 'सरदार' का एक दृश्य है। उसमें दिखाया है कि सरदार पटेल शाम को थके-हारे घर लौटे हैं। बिस्तर पर लेट ही रहे हैं कि अपनी बेटी मणिबेन से घर आई डाक के बारे में पूछते हैं। मणिबेन बताती हैं कि भाई दिल्ली आना चाहता है। पटेल मणिबेन को सुझाव देते हैं कि वह लौटती डाक से चिट्ठी भेज दे कि जब तक वह मंत्री हैं, तब तक वह दिल्ली आने की न सोचे। इसका अंतर्निहित संदेश यही है कि पटेल जब तक जीवित रहे, उन्होंने अपने परिवार के किसी व्यक्ति को राजनीति में उन्होंने आगे नहीं बढ़ाया। असल में यह विवरण विगत 15 मार्च को हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में परिवारवाद की राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रहार से प्रासंगिक प्रतीत होता है। उसमें प्रधानमंत्री ने दो-टूक कहा था कि हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी नेताओं के बेटे-बेटियों के टिकट उनके कहने पर काटे गए। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति को परिवारवाद खोखला कर रहा है और हमें इससे निपटना होगा। वैसे तो लोकतंत्र में परिवारवाद का कोई आधार नहीं होना चाहिए, लेकिन आज शायद ही कोई पार्टी हो, जहां परिवारवाद नहीं है। कुछ छोटी पाटिच्यां तो प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों की तरह काम कर रही हैं। कह सकते है कि लोकतंत्र के खांचे में परिवार केंद्रित यह नए तरह का राजतंत्र है। यह विडंबना ही है कि जिस कांग्रेस में पटेल जैसे नेताओं का वंशवाद के खिलाफ सख्त रुख रहा, उसी के शीर्ष नेतृत्व पर परिवारवाद पूरी तरह हावी रहा। हालांकि अब इस पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि इसकी कुछ ठोस परिणति भी निकलेगी। कांग्रेस में वंशवादी जड़ें बहुत गहरी हैं। वर्ष 1928 में मोतीलाल नेहरू दूसरी बार कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसके अगले साल यानी 1929 में उन्होंने अपने पुत्र जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनाने के लिए अभियान चलाया और 40 वर्षीय जवाहर को अध्यक्ष बनवाने में सफल रहे। तब जवाहर से 14 साल बड़े पटेल का अध्यक्ष बनना तय था। पटेल 1930 में अध्यक्ष बन सके। वैसे कुछ कांग्रेस नेता समय-समय पर परिवारवाद के विरुद्ध आवाज भी उठाते रहे। उनमें श्री बाबू के नाम से विख्यात बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का नाम प्रमुख है। 1957 के चुनाव में उनकी परिक्रमा करने वालों ने उनके बेटे शिवशंकर को टिकट देने की मांग रखी। तब श्री बाबू ने इसे सिद्धांतहीन बताते हुए कहा था कि परिवार में एक ही व्यक्ति को टिकट मिलना चाहिए। कांग्रेस में वंशवाद का दूसरा उदाहरण भी गांधी-नेहरू परिवार से ही है। 1958 में पं. नेहरू ने कांग्रेस कार्यसमिति के 24 सदस्यों में 41 वर्षीय इंदिरा गांधी को शामिल कराया और इसके अगले ही साल इंदिरा पार्टी की अध्यक्ष बना दी गईं। नेहरू के इस कदम का देहरादून से संसद सदस्य और उनके नजदीकी महावीर त्यागी ने तीखा विरोध किया था। नेहरू को लिखे पत्र में त्यागी ने कहा था, 'इस ख्याल में मत रहना कि इंदु के प्रस्तावकों और समर्थकों में जो होड़ हो रही है, यह इंदु के व्यक्तित्व के असर से है।

रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के दौरान यूक्रेन से लौटे छात्रों के भविष्य का सवाल

कर्नाटक का युवक नवीन शेखरप्पा मेडिकल की पढ़ाई करने यूक्रेन गए थे। रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के दौरान एक दिन जब वह खाने का सामान खरीदने की लाइन में लगे थे, ठीक उसी समय रूसी सेना की गोलाबारी में उनकी मौत हो गई। शोक में गमगीन नवीन के परिवार के लिए हर सांत्वना बेहद छोटी है, लेकिन तमाम सवाल आज उन हजारों युवाओं के सामने हैं जिन्हें भारत सरकार न केवल संकटग्रस्ट यूक्रेन से हाल में लौटा लाई है। बल्कि उससे भी पहले दशकों तक दूसरी कई वजहों से इराक, सऊदी अरब, यमन, लीबिया आदि देशों से लौटते रहे युवाओं के हैं, सुरक्षित वतन वापसी के बाद जिनकी खोज-खबर लिए जाने का कोई इतिहास नहीं मिलता है। अभी की चिंताओं में शामिल यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों की शेष पढ़ाई को किसी तरह पूरी कराने का कोई सरकारी प्रबंध कितना कारगर होगा, यह भविष्य में पता चलेगा, परंतु इससे पहले तो वतन लौटे हजारों लोगों की खैर-खबर का प्रायः कोई लेखा-जोखा तक नहीं मिलता है। फांस बेहतर जीवन की चाह की : हम कह सकते हैं कि स्वाधीनता के 75 वर्षों में हमारे देश ने कई बड़ी त्रासदियों का सामना किया है। लेकिन भारत दुनिया का अकेला देश नहीं है, जिसे विकास के क्रम में असंख्य सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना किया है। पढ़ाई, रोजगार और बेहतर जीवन की चाह में अपनी जमीन से दूर एक अलग देश में अलहदा भाषा-संस्कृति के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश भी कई तकलीफदेह नतीजों के साथ खत्म हुई है। इस सिलसिले का एक पूरा इतिहास है जिसकी ताजा कड़ी युद्धग्रस्त यूक्रेन से लगभग 20 हजार भारतीय मेडिकल छात्रों को 10 मार्च 2022 को समाप्त घोषित किए गए आपरेशन गंगा के माध्यम से स्वदेश लौटा लाने की है। इन हजारों छात्रों ने भारत के मेडिकल शिक्षण संस्थानों में दाखिला नहीं मिलने की सूरत में ही यूक्रेन, रूस, आस्ट्रेलिया आदि देशों की राह पकड़ी थी। अब तक वे सारी वजहें साफ हो चुकी हैं जिन्हें रहते देश से हजारों युवाओं को तमाम विधाओं में उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए विदेश का रुख करना पड़ता है। बेहतर जिंदगी की चाह : पढ़ाई के अलावा बेहतर रहन-सहन वाली जिंदगी की चाह और खासकर रोजगार के लिए हजारों कुशल और अकुशल (स्किल्ड और नान स्किल्ड) लोग भी हर साल कोई न कोई जुगाड़ बिठाकर खाड़ी देशों के अलावा अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया समेत कई अन्य यूरोपीय देशों की राह पकड़ते रहे हैं। इन्हीं में से कुछ प्रतिशत कामयाब हुए लोगों की कहानी जब हमारे देश में लौटकर आती है, तो उनकी बेहतरीन जिंदगी किसी किंवदंती की तरह हमारा मन मोहने लगती है। ऐसे में बहुत से दूसरे लोग भी अपने सपने साकार करने के लिए विदेश कूच का जतन करने लगते हैं। लेकिन पढ़ाई से लेकर रोजगार तक के लिए विदेश जाना एक बात है, वहां कोई समस्या पैदा होने पर उससे जूझना-निपटना दूसरी बात। ऐसे ज्यादातर मामलों में विदेश गए लोगों के लिए किसी भी तरह से वतन-वापसी करना ही सबसे अच्छा विकल्प होता है। खासकर उच्च शिक्षा के वास्ते पढ़ाई या ट्रेनिंग के लिए विदेश गए युवाओं के मामले में। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कोई समस्या पैदा होने पर छात्रों के लिए वहां कोई आधारभूत ढांचा नहीं होता है जो उनके पांव विदेश में टिकाए रख सके। पुनर्वास का अधूरा संकल्प : यूक्रेन से भारत वापस लाए गए 15 से 18 हजार मेडिकल छात्रों को हम इस मायने में खुश- किस्मत मान सकते हैं कि भारत सरकार उनकी अधूरी रह गई पढ़ाई को पूरी कराने के विकल्प खोज रही है। यानी उन्हें युद्ध के बीच से सुरक्षित निकालने और लौटा लाने की अहम जिम्मेदारी निबाहने के साथ ही सरकार ने अपने कर्तव्य की इति नहीं कर ली। बल्कि इससे आगे बढ़कर प्रयास है कि इन छात्रों की अधूरी पढ़ाई को संपन्न कराया जाए। इसके लिए सरकार की तरफ से फारेन मेडिकल ग्रेजुएट लाइसेंसिंग रेगुलेशन (एफएमजीई) एक्ट-2021 में बदलाव की बात कही जा रही है। इस कानून के तहत किसी भी विदेशी मेडिकल कालेज के छात्र को भारत में बतौर डाक्टर काम करने (मेडिकल प्रैक्टिसिंग) के लिए स्थायी पंजीकरण की आवश्यकता होती है। स्थायी पंजीकरण की अनिवार्य शर्त यह है कि छात्र ने विदेश में न्यूनतम 54 महीनों की शिक्षा और एक साल की इंटर्नशिप पूरी की हो। इसके बाद छात्र एफएमजीई परीक्षा को उत्तीर्ण कर भारत में प्रैक्टिसिंग के लिए स्थायी पंजीकरण प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा यदि यूक्रेन के हालात सामान्य नहीं हुए तो वापस लाए गए छात्रों की बची पढ़ाई देश के ही किसी विश्वविद्यालय या किसी अन्य विदेशी संस्थान में दाखिला दिलाकर पूरी कराई जा सकती है। बेशक यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के अधर में लटके भविष्य को ऐसी नीतियों से काफी लाभ हो सकता है, लेकिन क्या यही कायदा विदेश में दूसरी पढ़ाई या रोजगार के संबंध में नहीं अपनाया जाना चाहिए। असल में, यूक्रेन का ताजा मसला इन समस्याओं की एक छोटी सी बानगी है।

धधकते जंगल झुलसता जीवन

आज जंगलों को अंधाधुंध रूप से काटा जा रहा है। लिहाजा मिट्टी में गर्मी, ओजोन परत की कमी आदि में वृद्धि हुई है। हमारी विकास प्रक्रिया ने हजारों लोगों को पानी, जंगल और भूमि से विस्थापित कर दिया है। ऐसे में जंगल की रक्षा करना न केवल हमारा कर्तव्य होना चाहिए, बल्कि हमारा धर्म भी होना चाहिए। उत्तराखंड में पिछले 12 वर्षों में जंगल में आग लगने की 13 हजार से अधिक घटनाएं सामने आई है और इनमें हर साल औसतन 1978 हेक्टेयर वन क्षेत्र में वन संपदा जलकर राख हो रही है। आरटीआइ से मिली जानकारी के अनुसार जंगल की आग को बुझाने के लिए केवल समय से

बारिश का होना ही एकमात्र कारगर विकल्प है। जंगल में आग लगने की एक वजह मानव जनित भी है। कई बार ग्रामीण जंगल में जमीन पर गिरी पत्तियों या सूखी घास में आग लगा देते हैं, ताकि उसकी जगह नई घास उग सके। लेकिन आग इस प्रकार फैल जाती है कि वन संपदा को खासा नुकसान होता है। दूसरा कारण चीड़ की पत्तियों में आग का भड़कना भी है। चीड़ की पत्तियां (पिरुल) और छाल से निकलने वाला रसायन, रेजिन बेहद ज्वलनशील होता है। जरा-सी चिंगारी लगते ही आग भड़क जाती है और विकराल रूप ले लेती है। तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी मामूली बात लगती है, लेकिन जंगलों के सूखे पत्तों के लिए यह महत्वपूर्ण है। जितनी ज्यादा गर्मी बढ़ेगी, पेड़ों और पत्तियों में से पानी की मात्रा कम होती जाएगी और ये ईंधन का काम करेंगे। सूखी पत्तियों की रगड़ से आग का लगना और फैलना तेजी से होता है। भारतीय वन सर्वेक्षण ने वनागिन से हुई वार्षिक वन हानि 440 करोड़ रुपये आंकी है। जंगलों में लगी आग से कई जानवर बेघर हो जाते हैं और नए स्थान की तलाश में वे शहरों की ओर आते हैं। वनों की मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों में भी भारी कमी आती है और उन्हें वापस प्राप्त करने में भी लंबा समय लगता है। वनागिन वेज परिणामस्वरूप मिट्टी की ऊपरी परत में रासायनिक और भौतिक परिवर्तन होते है, जिस कारण भूजल स्तर भी प्रभावित होता है। इससे आदिवासियों और ग्रामीण गरीबों की आजीविका को भी नुकसान पहुंचता है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग तीन करोड़ लोग अपनी आजीविका के लिए वन उत्पादों के संग्रह पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर हैं। वनों में लगी आग को बुझाने के लिए काफी अधिक आर्थिक और मानवीय संसाधनों की जरूरत होती है, जिस कारण सरकार को काफी अधिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। वनागिन से वनों पर आधारित उद्योगों एवं रोजगार की हानि होती है और कई लोगों की आजीविका का साधन प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है। इसके अलावा वनों पर आधारित पर्यटन उद्योग को भी खासा नुकसान होता है। वनागिन से जलवायु भी प्रभावित होती है। इससे कार्बन डाइआक्साइड तथा अन्य ग्रीनहाउस गैसों का काफी अधिक मात्रा में उत्सर्जन होता है। इसके अलावा वनागिन से वे पेड़-पौधे भी नष्ट हो जाते हैं, जो वातावरण से कार्बन डाइआक्साइड को समाप्त करने का कार्य करते है। वर्तमान में अतिशय मानवीय अतिक्रमण ने वनों में लगने वाली आग की बारंबारता को बढ़ाया है। पशुओं को चराना, झूम खेती, बिजली के तारों का वनों से होकर गुजरना आदि ने इन घटनाओं में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, सरकारी स्तर पर वन संसाधन एवं वनागिन के प्रबंधन हेतु तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव इसका प्रमुख कारण है। अव्यावहारिक वन कानूनों ने वनोपज पर स्थानीय निवासियों के नैसर्गिक अधिकारों को खत्म कर दिया है, लिहाजा ग्रामीणों और वनों के बीच की दूरी बढ़ी है। कुछ समय पूर्व खाद्य एवं कृषि संगठन के विशेषज्ञों के दल ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में भारत में जंगल की आग की स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि आर्थिक और पारिस्थितिकी के नजरिये से जंगल की आग पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता, न ही क्षेत्रीय स्तर पर इस समस्या से निपटने के लिए कोई कायच्योजना है। जंगल की आग पर आंकड़े बहुत सीमित हैं, साथ ही वे विश्वसनीय नहीं हैं। इसके अलावा, आग की भविष्यवाणी करने की भी कोई व्यवस्था नहीं है तथा इसके खतरे के अनुमान, आग से बचाव और उसकी जानकारी के उपाय भी उपलब्ध नहीं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वनों में लगी आग से उन क्षेत्र विशेषों का भौगोलिक, आर्थिक एवं सामाजिक परिवेश व्यापक स्तर पर प्रभावित होता है। अतः इन घटनाओं को न्यूनतम किए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। आपदा प्रबंधन के समुचित उपायों के साथ-साथ आग के प्रति संवेदनशील वन क्षेत्र एवं मौसम में वनों में मानवीय क्रियाकलापों को बंद या न्यूनतम किया जाना चाहिए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में आधुनिकतम तकनीकों से युक्त संसाधनों के साथ पर्याप्त आपदा प्रबंधन बल की तैनाती की जानी चाहिए। जंगल धू-धू कर जलते रहते हैं, वन संपदा खाक हो जाती है और वन विभाग सदैव की तरह मूकदर्शक बनकर असहाय बना बैठा रहता है। यदि वनों में आग लगने के बाद इंद्र देवता की कृपादृष्टि न हो तो न जाने कब तक जंगल धधकते रहें। ऐसे में राज्य सरकार को वास्तव में वनों की सुरक्षा को लेकर संजीदा होने तथा जमीनी वस्तुस्थिति को समझते हुए जंगलों की आग से निबटने के लिए सभी पहलुओं का गंभीरता से अध्ययन कर ठोस रणनीति बनानी होगी।

संक्षिप्त समाचार

पद्मश्री से सम्मानित होंगी जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर को सोमवार को राष्ट्रपति भवन के दरबार हाल में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। प्रो. नजमा को भारत सरकार ने साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए इस सम्मान के लिए चुना है। अख्तर को जामिया को दिसंबर 2021 में नैक से ए++ मान्यता प्राप्त संस्थान की प्रथम महिला कुलपति होने का भी गौरव प्राप्त है। देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बदलाव के लिए उन्हें एक प्रमुख शिक्षाविद् के रूप जाना जाता है। इनके नेतृत्व में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एआइआरएफ) में जामिया को छठी रैंक हासिल हुई है।

बोचहां में बीजेपी व वीआइपी आमने सामने, मुकेश के साथ मांझी व जेडीयू

पटना। भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की बोचहां विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव के लिए बेबी कुमारी को अपना प्रत्याशी बनाया है। यह सीट विकासशील इंसान पार्टी के विधायक मुसाफिर पासवान के निधन से रिक्त हुआ है, जिसपर वीआइपी का भी दावा है। 2020 के विधानसभा चुनाव में यह सीट एनडीए में बीजेपी ने अपने कोटे से वीआइपी को दी थी। अब वीआइपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने भी यहां से अपना प्रत्याशी देने की घोषणा कर दी है। उन्हें एनडीए के दूसरे घटक हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने भी समर्थन दे दिया है। जनता दल यूनाइटेड संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी इस मामले में मुकेश सहनी के समर्थन में बयान दिया है। खास बात यह है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एनडीए सरकार वीआइपी व 'हम' के समर्थन के बल पर हीं चल रही है।

मैहर तहसील के तिलौरा गांव में युवक-युवती फांसी के फंदे पर लटके मिले

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। तहसील के तिलौरा गांव में युवक-युवती फांसी के फंदे पर सुबह लटके मिले जब ग्रामीण सुबह शौच नित्य क्रिया के लिए खेत गए तब वहां पर युवक-युवती फांसी के फंदे पर लटके दिखाई दिए जिससे संपूर्ण गांव में हो-हल्ला होने के कारण भारी संख्या में ग्रामीण जन मौके पर पहुंचे यह हत्या है या खुदकुशी या साजिश जिसका खुलासा नहीं हो सका अभी तक नादन पुलिस थाना देहात मौके पर नहीं पहुंची आगे पुलिस प्रशासन की तहकीकात से जानकारी प्राप्त हो सकेगी जहां युवक ढीमर बर्मन है वही युवती कोल आदिवासी समाज की बताई जा रही है। फांसी का वारदात स्थल मैहर सीमेंट अल्ट्राटेक -तिलोरा माइंस तिलोरा गांव देवी मंदिर (मढिया) बताया गया है।

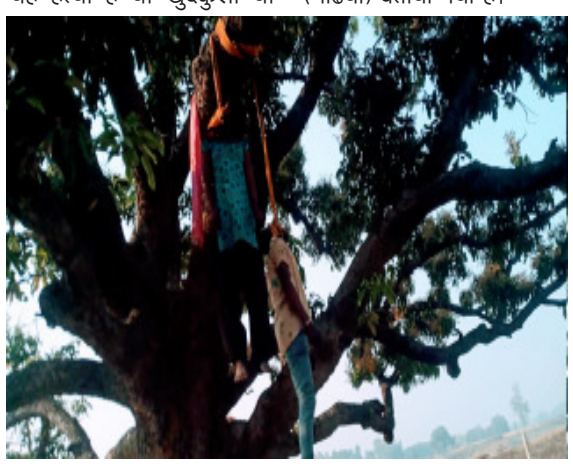

भाजपा के स्थानीय नेता का आतंक, पुलिस से मिल कर पूर्व जवान को कर रहा हैं प्रताड़ित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व राष्ट्र के प्रहरियों के सम्मान का आह्वान करती है, वहीं पार्टी के स्थानीय नेताओं ने पार्टी के संकल्पों को धत्ता बताते हुए बीएसएफ के एक पूर्व जवान और बुजुर्ग नागरिक को प्रताड़ित किया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी की दबंगई और बीएसएफ के एक पूर्व जवान और वरिष्ठ नागरिक को प्रताड़ित करने, उनसे मारपीट करने और अपनी रसूख का इस्तेमाल कर उन्हें रातभर हवालात में रखने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है मामला सेक्टर 93 स्थित एक्सप्रेस व्यूह अपार्टमेंट का है जहां के निवासी और भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पर यह आरोप है कि उन्होंने अपनी रसूख का फायदा उठाते हुए और अपने पद का गलत इस्तेमाल करके वहीं के एक 64 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बलवंत सिंह रावत को अपने एक सहयोगी से न सिर्फ पिटवाया बल्कि अपनी सत्ता का दुरुपयोग करते हुए उन्हें हवालात में भी बंद करवा दिया।

होली के जश्न में छाया रंग, जब जमकर नाचे पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और डीएम सुहास एलवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

नोएडा। रंगों का त्यौहार होली हर कोई दिल से मानता है, इस दिन सभी गिले-शिकवे और पद-प्रतिष्ठा भूल न केवल एक दूसरे को रंग लगाते हैं बल्कि जमकर नाचते गाते भी हैं। ऐसी ही होली का एक वीडियो ग्रेटर नोएडा से सामने आया है। जहां नोएडा के पुलिस कमिशन्र और डीएम ने सभी को मिलकर रंग लगाया और फिर उनके साथ जमकर डांस भी किया। होली के इस वायरल वीडियो में नोएडा के पुलिस कमिशन्र आलोक सिंह और डीएम सुहास एलवाई पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी के एक गाने पर जमकर डांस करते दिख रहे हैं। 30 सेकेंड के इस वीडियो में साथी पुलिसकर्मी भी उनके साथ डांस करते देखे जा सकते हैं। यह वीडियो ग्रेटर नोएडा की सूरजपुर पुलिसलाइन का बताया जा रहा है। पुलिस कमिशन्र आलोक सिंह ने शनिवार को एक ट्वीट कर कहा था, ''होली का त्योहार सकुशल सम्पन्न होने के उपरांत समस्त पुलिस परिवार को होली की बधाई दी। पुलिस लाइन प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें पुलिस परिवार अपने परिजनों के साथ उपस्थित रहे। गौतमबुद्ध नगर में शहर से लेकर गांवों तक होली हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। सोसाइटी में विशेष आयोजन किए गए। लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी। बीते दो वर्षों से कोरोना की वजह से होली का पर्व फीका रहा था। इस बार कोरोना का संक्रमण काफी कम होने के बाद लोगों ने जमकर होली खेली। इसी तरह शहर के तमाम सेक्टर व सोसाइटियों में होली का पर्व मनाया गया।

बुलंदशहर-गौतमबुद्ध नगर सीट से मौजूदा एमएलसी नरेंद्र भाटी को प्रत्याशी घोषित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। विधान परिषद सदस्य (स्थानीय निकाय) के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। 21 मार्च तक पर्चे भरे जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 22 मार्च को होगी जबकि 24 मार्च को नाम वापसी होगी। भाजपा ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 30 सीटों के लिए अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। बुलंदशहर-गौतमबुद्ध नगर सीट से मौजूदा एमएलसी नरेंद्र भाटी को प्रत्याशी बनाया गया है। सपा से भाजपा में आने के बाद माना जा रहा था कि पार्टी उन्हें एमएलसी का टिकट देगी। जिले के बोड़ाकी गांव के रहने वाले नरेंद्र भाटी ने 18 साल की उम्र में वर्ष 1975 में राजनीति में पहला कदम रखा था। वह दादरी ब्लॉक युवक कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए थे। वर्ष 1980 में वह दादरी के ब्लॉक प्रमुख बने। सिकंदराबाद विधानसभा सीट से वह 1989, 1991 और 1996 में चुनाव जीते। वह सपा नेता मुलायम सिंह के बहुत करीबी थे। सपा से एमएलसी भी थे। गत विधानसभा चुनाव में वह भाजपा में आ गए। कयास लगाए जा रहे थे कि भाटी को पार्टी एमएसली का टिकट देगी। पार्टी ने सारे किंतु-परंतु पर विराम लगाते हुए उन्हें एमएलसी का टिकट दे दिया सपा से आए चार एमएलसी को भाजपा ने विधान परिषद चुनाव में दिया टिकट समाजवादी पार्टी ने बुलंदशहर गौतमबुद्ध नगर सीट को राष्ट्रीय लोकदल को दिया है। अभी राष्ट्रीय लोक दल ने अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। बसपा के जिलाध्यक्ष लख्मीचंद के मुताबिक, एमएलसी चुनाव के लिए अभी पार्टी की ओर से कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए हैं। जैसे ही पार्टी की ओर से दिशा निर्देश आएंगे, उसी के अनुरूप काम किया जाएगा। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा का भी ऐसा ही कुछ कहना है। दिनेश शर्मा ने बताया कि अभी पार्टी की ओर से कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए है। पार्टी का, जो भी आदेश होगा, उसके अनुरूप काम किया जाएगा।

कार ने ऑटो में मारी टक्कर दो बच्चे समेत छह घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। गलगोटिया विश्विद्यालय के नजदीक शनिवार की दोपहर अनियंत्रित कार की टक्कर से ऑटो सवार छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए निम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है पीड़ित पक्ष द्वारा अभी तक तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र के सालारपुर गांव निवासी राजपाल ऑटो चालक हैं। वह शनिवार को अपने बेटा धर्मराज, पतनी व पुत्रवधु समेत दो पोतों के साथ ऑटो में सवार होकर राजस्थान में बाबा मोहनराम के दर्शन करने जा रहे थे। आरोप है कि जब उनका ऑटो गलगोटिया विश्विद्यालय के नजदीक पहुंचा तो सामने से आ रही अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया और उसमें सवार सभी लोग दब गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद ऑटो को सीधा कर उसमें से सवारियों को बाहर निकाला। राहगीरों द्वारा सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने घायलों को निम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। राजपाल के बेटे राकेश ने बताया है कि हादसे में उनकी दादी यशोदा, भाभी सुमन और भतीजा तनिश गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दनकौर कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार का कहना है कि शिकायत मिलने के बाद कार चालक की पहचान कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आर डब्लूयू ए ने चलाई स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-100 सेंचुरी अपार्टमेंट की आरडब्लूयूए ने शनिवार को मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी के स्लोगन के माध्यम से सफाई अभियान चलाया। आरडब्लूयूए अध्यक्ष पवन यादव ने बताया कि सोसाइटी निवसियों ने संकल्प लिया कि हर सप्ताह मे शनिवार को सफाईगिरी अभियान चलाया जाएगा। अनंन्या जोशी, चिराग शर्मा, ऋतु गुप्ता, नीलम पांडे, एडी जोशी, सुरेश वर्मा, ओमप्रकाश, राकेश पांडेय, नवीन, अजय, मिथलेश व रजनीश आदि ने अभियान में सहयोग दिया।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जी का डी.एन.डी. टोल पर किया नॉएडा भाजपा ने स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। महिला एवं बाल विकास कल्याण की केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी का आगमन हुआ। जिसके चलते नोएडा भाजपा ने उनका डी.एन.डी. टोल पर स्वागत किया। इस मौक़े पर गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और भाजपा नॉएडा जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता भी रहे। श्रीमती स्मृति ईरानी इंडिया एक्स्पो मार्ट में हो रहे कार्यक्रम पेडीकॉन 2022 नोएडा में मुख्य अथिति के रूप में रहेंगी। स्वागत कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने मंत्री जी का ज़ोरदार स्वागत किया और उनको होली की शुभकामनाएँ भी दी। महिला कार्यकर्ताओं में उनको लेकर ख़ासा जोश दिखा। श्रीमती ईरानी ने इस मौक़े पर सभी को धन्यवाद दिया और उत्तर प्रदेश एवं नोएडा में मिली प्रचंड जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद व्यक्त किया। इस मौक़े पर महामंत्री उमेश त्यागी, डिम्पल आनंद, उपाध्यक्ष गिरीश कोटनाला, तन्मय शंकर, चमन अवाना, रवि यादव, पंकज झा, अशोक मिश्रा, सूरजपाल राणा, उमेश यादव, शारदा चतुर्वेदी, प्रसंजीत मित्रा, अहसान खान, लोकेश यादव शिवानी सरद मनोज शर्मा मल्लिकेस्वर झा आदि कार्यकर्ता रहे।

नोएडा के सेक्टर 63 में एक तांत्रिक के कहने पर होली के शुभ मुहूर्त पर देवताओं को खुश करने के लिए एक व्यक्ति ने बच्ची का अपहरण कर लिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर 63 में एक तांत्रिक के कहने पर होली के शुभ मुहूर्त पर देवताओं को खुश करने के लिए एक व्यक्ति ने बच्ची का अपहरण कर लिया. ताकि वो उसकी बलि दे सके।आरोपी ने ये सब इसलिए किया ताकि उसकी शादी जल्द हो सके. हालांकि पुलिस की सक्रियता के कारण बलि का अपहरण बलि देने के लिए किया था। नोएडा सेंट्रल डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि रविवार को दोपहर 12 बजे के करीब मासूम बच्ची छिजारसी गांव में अपने घर के बाहर खेल रही थी. वहां से उसका अपहरण कर लिया गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने चार टीमें बनाई. करीब 200 लोगों से बात की गई. इस दौरान पुलिस के हाथ एक सीसीटीवी फुटेज बताया कि उसकी शादी नहीं हो रही थी. इस कारण नजदीकी रिश्तेदार तांत्रिक सतेन्द्र बागपत द्वारा बताया गया कि होली के शुभ मुहुर्त पर देवताओं को खुश करने के लिए एक बच्चे की बलि देनी होगी, तभी शादी हो सकेगी. इस कारण आरोपी सोनू वाल्मीकि ने नीटू की सहायता से बच्ची का अपहरण किया गया. मामले में तांत्रिक अभियुक्त सतेन्द्र व अन्य

देने के लिए अगवा की गई बच्ची को बागपत से बरामद कर लिया गया। इस मामले में दो आरोपियों अपहरणकर्ता सोनू और वारदात में शामिल उसके जीजा नीटू को दबोच लिया गया है। वहीं तांत्रिक सहित तीन अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही है। आरोपियों को पकड़ने और बच्ची को सकुशल खोजने वाली टीम को पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने 50 हजार का इनाम दिया है। आरोपी सोनू वाल्मीकि और नीटु वाल्मीकि ने सात साल की मासूम लगी।नोएडा सेंट्रल डीसीपी हरीश चंदर के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में आरोपी व्यक्ति बच्ची को अपने साथ ले जाता हुआ नजर आया। आरोपी पीडित के घर से 100 मीटर दूरी पर रहता था। आरोपियों की पहचान सोनू पुत्र जगपाल निवासी ग्राम बालेनी और नीटु पुत्र विजा निवासी ग्राम किशनपुर की गई है. पुलिस के अनुसार बच्ची को लेकर सोनू अपनी बहन के घर खामपुर, बागपत गया था. यहां से ही बच्ची को सकुशल बरामद किया गया है।पूछताछ में सोनू वाल्मीकि ने सहयोगी परिजन रेखा वाल्मीकि एवं वर्षा वाल्मीकि अभी फरार हैं।हरीश चंदर डीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि पुलिस जब मासूम बच्ची को सकुशल लेकर उसके माता-पिता के सामने गए, तो माता- पिता की आंखों से आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा. मां बार-बार कह रही थी कि नोएडा पुलिस उसके लिए किसी मसीहा से कम नहीं हैं. चाचा शत्रुघन ने बताया कि अपहरण के बाद उन्होंने बच्ची की वापसी की उम्मीद खो दी थी।

मां शारदा मंदिर समिति अपना नुकसान कर रोपवे को पहुंचा रही अनुचित लाभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मां शारदादेवी मंदिर प्रबंध समिति मैहर बड़े गड़बड़झाले को लेकर विवादों में घिर गई है।कोरोना काल में 56 दिन तक यात्रियों का आवागमन बंद रहने के एवज में रोप-वे प्रबंधन को हुई आर्थिक क्षति की भरपाई समिति ने अपना नुकसान करके की है। रोपवे प्रबंधन को 56 दिनों के नुकसान के एवज में 9 माह का एक्सटेंशन (समय वृद्धि) दे दिया गया है। वह भी उस स्थिति में जब रोप-वे प्रबंधन का एग्रीमेंट समाप्त होना था और इसके बाद समिति को होने वाले लाभ का 30फीसदी हिस्सा बढ़कर 70 फीसदी होने वाला था। लेकिन इस समय वृद्धि से अब वापस रोप-वे प्रबंधन को 70 फीसदी और समिति को 30 फीसदी ही लाभ मिलेगा। दामोदर रोप वेज एंड कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्रा.लि. को 750 लाख रुपये की लागत में मैहर शारदा मंदिर में मोनो केबल स्थापित करने का ठेका मिला था। इसके एग्रीमेंट में था कि ठेका कंपनी पहले छः साल अपना बैंक का लोन चुकाएगी। इसके बाद अगले 6 साल तक होने वाली आय से अपना मुनाफा लेगी। इस मुनाफे के लिए तय किया गया था कि यात्रियों से होने वाली आय से रॉयल्टी का भुगतान दामोदर रोपवे एक हिस्सेदारी के रूप में करेगी। जिसमें आय का 70 फीसदी हिस्सा दामोदर रोप-वे लेगी और 30 फीसदी समिति को देगी। यह समयावधि सितंबर 2021 में पूरी हो गई। लेकिन इस दौरान कोरोना महामारी के कारण रोप-वे का संचालन बंद रहा। यह अवधि लगभग 56 दिवस की थी। इसको लेकर कंपनी ने समय वृद्धि के लिए समिति को आवेदन दिया। कंपनी ने गलत तरीके से एग्रीमेंट की कंडिका 25 का हवाला देते हुए कोविड काल में हुए नुकसान की भरपाई के लिये 9 माह का एक्सटेंशन मांगा। लेकिन समिति ने इस समय वृद्धि में अपनी आय की चिंता किये बिना 56 दिन के नुकसान की भरपाई के लिये 9 माह की समय वृद्धि करदी। जबकि सितंबर 2021 से एग्रीमेंट अवधि पूरी होने के बाद समिति को 70 फीसदी हिस्सेदारी आय से होनी थी और रोप-वे प्रबंधन को सिर्फ 30 फीसदी मिलना था। समिति ने अपनी आय में कितना बड़ा नुकसान किया है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस अवधि में नवरात्रि भी पड़ती है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में रोप-वे प्रबंधन को समय वृद्धि देकर शारदा प्रबंध समिति ने अपने हिस्से को लाखों लाख रुपये का नुकसान कर रोवे प्रबंधन को बैक डोर से फायदा पहुंचाया है। सूत्रों का कहना है कि समिति कार्यालय में जमा रोप-वे एग्रीमेंट और अन्य पत्राचार से जुड़ी नस्ती के कई दस्तावेज रोप-वे प्रबंधन ने समिति कर्मचारियों की मिलीभगत से गायब करवा दिये हैं। इसमें टेण्डर फाइल सहित अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इनकी जांच हो तो बड़े खुलासे हो सकते हैं क्योंकि शुरुआती दौर में यहां बाई-केबल के लिये 450 लाख रुपये का टेण्डर किया गया था जिसे बाद में मोनो केबल में बदलते हुए रेट रिवाइज के नाम पर इसकी लागत 750 लाख रुपये कर दी गई। रोप-वे से होने वाले आय व्यय की नियमित आडिट नहीं कराई गई। इसके पीछे की मुख्य वजह यह है कि दामोदर रोप-वे कंपनी ने बीच में कई बार बिना कलेक्टर के अनुमोदन के यात्रियों का किराया बढ़ाया है जबकि यह नियम विरुद्ध था। अगर इसकी ऑडिट हो जाय तो लाखों का घोटाला निकल कर सामने आयेगा। समिति से हुए अनुबंध में रोपवे द्वारा दर्शनाथिर्यों के सुविधा हेतु गेस्ट हाउस बनाकर देने का भी एग्रीमेंट था जो आज तक बनाकर नहीं दिया गया और बाहर से आए हुए दर्शनाथिर्यों को सुलभ काम्पलेक्स तक नहीं मिलता। खासतौर पर महिला दर्शनार्थियों के लिए भारी दिक्कतें हो रही हैं। मां शारदा प्रबंध समिति के सदस्य तारकेशवर तिवारी ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और इसकी जांच कराने के लिए वह प्रदेश सरकार एवं वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखेगें।

रणदीप गुलेरिया की जगह नए निदेशक की नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी की बैठक कल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के नए निदेशक की नियुक्ति के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय सर्च कमेटी की मंगलवार को बैठक होगी। इस कमेटी में केंद्र सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के विजय राघवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश सिंह व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव भी शामिल हैं। यह कमेटी एम्स निदेशक पद के लिए आवेदन करने वाले 32 डाक्टरों की दावेदारी पर चर्चा करेगी। यह संभावना जताई जा रही है कि बैठक में कमेटी आवेदन करने वाले डाक्टरों में से तीन-चार डाक्टरों का चयन कर निदेशक पद की नियुक्ति के लिए उनके नाम की सिफारिश केंद्र सरकार के पास भेजेगी। जिस पर नियुक्ति से संबंधित मंत्रिमंडल की समिति अंतिम फैसला करेगी। उम्मीद है कि इस सप्ताह एम्स के नए निदेशक के नाम की घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने एम्स के वर्तमान निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया को मार्च 2017 में पांच साल के लिए निदेशक बनाया गया था। इस माह डा. रणदीप गुलेरिया का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक डा. बलराम भार्गव, एम्स ट्रामा सेंटर के प्रमुख डा. राजेश मल्होत्रा, इंडोक्रिनोलाजी के विभागाध्यक्ष डा. निखिल टंडन, न्यूरोलोजी की विभागाध्यक्ष डा. एमवी पद्मा, फारें सक मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डा. सुधीर गुप्ता, कार्डियक सर्जरी के विभागाध्यक्ष डा. शिव कुमार चौधरी, कार्डियक सर्जरी के प्रोफेसर डा. एके बिसोई, जनरल सर्जरी के विभागाध्यक्ष डा. सुनील चुम्बर, ईएनटी (कान, नाक व गला) के विभागाध्यक्ष डा. आलोक ठक्कर, गैस्ट्रोलाजी के प्रोफेसर डा. प्रमोद गर्ग व त्वचा रोग विभाग के प्रोफेसर डा. केके वर्मा प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

'बच्चन पांडे' ने 'द कश्मीर फाइल्स' के आगे टेके घुटने, कमाए सिर्फ इतने करोड़

नई दिल्ली। इस शुक्रवार रिलीज हुई अक्षय कुमार की बच्चन पांडे बॉक्स पर कुछ खास करिश्मा नहीं दिखा पा रही। फिल्म में बड़े-बड़े नामों के बावजूद ये 'द कश्मीर फाइल्स' के सामने ढहती हुई नजर आ रही है। जहां कश्मीर फाइल्स दिन-ब दिन कलेक्शन के रिकॉर्ड बना रही है, वहीं बच्चन पांडे की कमाई बढ़ने की बजाए घटती जा रही है। तीसरे दिन भी इसने बॉक्स ऑफिस पर निराश किया। बच्चन पांडे ने पहले दिन 13.5 करोड़ कमाए थे योकि दूसरे दिन घटकर 12 करोड़ ही रह गया। और तीसरे दिन का अंकाड़ा भी कुछ खास उत्साहजनक नहीं रहा। तीसरे भी फिल्म 12 करोड़ के ही आसपास रही है। कुल मिला कर फिल्म ने अब तक 37.50 करोड़ की कमाई की है। इस आंकड़े को देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि अक्षय कुमार की फिल्म ने द कश्मीर फाइल्स के सामने घुटने टेक दिए हैं। बच्चन पांडे की सारी उम्मीदें रविवार के कलेक्शन पर टिकीं थीं। फिल्म ने शुक्रवार को सबसे ज्यादा कमाई कथित तौर पर मुंबई और गुजरात से की थी। हालांकि शनिवार को जहां यूपी, बिहार और दिल्ली जैसे कुछ केंद्रों में फिल्म ने शुक्रवार से बेहतर प्रदर्शन किया, वहीं मुंबई में कारोबार में मामूली गिरावट दर्ज की गई। जबकि गुजरात कमोबेश शुक्रवार की तरह ही रहा। अक्षय कुमार की इस फिल्म से पहले उम्मीदें थीं, पर द कश्मीर फाइल्स की बॉक्स ऑफिस पर सफलता ने इसपर पानी फेर दिया। अब आने वाले हफ्ते में एसएस राजामौली की 'आरआरआर' रिलीज होने वाली है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि 'बच्चन पांडे' बॉक्स ऑफिस पर खुद को कैसे बचा पाती है। बता दें कि फिल्म का बजट कम करने के लिए अक्षय कुमार ने 20 करोड़ रुपए छोड़ दिए थे। वहीं कृति सेनन ने 4 करोड़, अरशद वारसी ने 2.5 करोड़ और जैकलीन ने 2 करोड़ रुपये लिए हैं।

होली खेलते हुए अंकिता लोखंडे ने पति पर निकाला गुस्सा एक्ट्रेस का ये वीडियो फैंस को कर देगा हैरान

नई दिल्ली। बीते शुक्रवार को देशभर में होली का त्योहार मनाया गया। इस मौके पर आम से लेकर खास तक, सभी ने अपने करीबियों के साथ रंग के इस त्योहार का एन्जॉय किया। वहीं बॉलीवुड के कई सितारों ने शादी के बाद अपनी पहली होली एन्जॉय की। इस में टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री अंकिता लोखंडे का भी नाम शामिल है। अंकिता ने पति विक्की जैन के साथ अपनी पहली होली मनाई। वहीं सोशल मीडिया पर अंकिता लोखंडे और विक्की जैन का होली पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अभिनेत्री होली खेलते हुए पति पर भड़कती हुई दिखाई दे रही हैं। जी हां, अंकिता लोखंडे के फैन क्लब ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। दोनों रेड कलर के रंग में रंगे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिखाया है कि अंकिता लोखंडे गुस्सा में आते हुए पति विक्की जैन से कुछ कह रही होती हैं। वहीं विक्की जैन उन्हें शांत कर रहे होते हैं। हालांकि अंकिता लोखंडे ने अपना यह गुस्सा पति पर जाहिर किया है या नहीं, यह बताना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर अंकिता लोखंडे और विक्की जैन का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि अंकिता लोखंडे इन दिनों छोटे पर्दे के रियलिटी शो स्मार्ट जोड़ी का हिस्सा हैं। इस शो में उन्होंने पति विक्की जैन के साथ हिस्सा लिया है। पिछले साल अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने शादी की थी। इन दोनों की शादी काफी चर्चा में भी रही थी। इन दोनों की शादी की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। बीते दिनों अंकिता लोखंडे ने पति विक्की जैन के साथ स्मार्ट जोड़ी के सेट पर अपनी पहली होली मनाई थी। बीते दिनों अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर शो स्मार्ट जोड़ी से जुड़ा एक वीडियो प्रोमो जारी किया था। इस प्रोमो में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन होली खेलते दिखाई दी थीं। दोनों के गालों पर रेड गुलाल लगा दिखाई दे रहा था।

शनाया कपूर ने डीप नेक गाउन पहन शेयर की फोटो बढ़ाया इंटरनेट का पारा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की खूबसूरत बेटी शनाया कपूर ने भले ही अभी तक बॉलीवुड में अपनी शुरुआत नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रेजेंस से पहले ही खूब नाम कमा लिया है। इस स्टारकिड के पास चाहने वालों की एक लम्बी लिस्ट है। जो उनकी एक झलक पाने का बसब्री से इंतजार करते हैं। शनाया कपूर ने एक बार फिर से अपने लेटेस्ट फोटोज के साथ इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। जो खूब वायरल हो रहे हैं। शनाया कपूर ने शनिवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी दो लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह ग्रीन कलर का हाइ स्लिट गाउन पहने बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। शनाया का यह डिजाइनर गाउन डीप नेक है और उनकी प्लुंजिंग नेकलाइन को दिखा रहा है। शनाया ने अपने बालों को खुला रखते हुए आगे की तरफ किया हुआ है और मेकअप को लाइट रखते हुए उन्होंने नेचुरल लिप बाम अप्लाइ किया है, जो उन्हें डीवा लुक दे रहा है। इस लुक को कंपलीट करने के लिए शनाया ने हाई हील्स कैरी किया है और स्टनिंग लग रही रही हैं। इसके पहले शनाया कपूर ने धर्मा प्रोडक्शंस के सीईओ अपूर्व मेहता के 50वें जन्मदिन के पार्टी की फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने एक व्हाइट कलर का पावर सूट पहना हुआ था। इस पार्टी को करण जौहर ने होस्ट किया था और इंडस्ट्री के तमाम नामी लोगों ने शिरकत की थी। पार्टी में शनाया कपूर ने स्टूडियो का प्लुंजिंग नेकलाइन पैंटसूट पहना था। जिसे उन्होंने ओवरसाइज्ड डिनर जैकेट के साथ वाइड लेग पैंट मैच किया था। उनके इस आउटफिट की कीमत लाखों रुपये में बताई गई थी। आपको बता दें कि शनाया जल्द ही धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली फिल्म 'बेधड़क' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा लीड रोल में नजर आएंगे। बेधड़क को शशांक खेतान निर्देशित करेंगे।

नंदीश संधू ने ओटीटी को बताया तेज भागती इंडस्ट्री, कहा- 'यहां दर्शक ही तय करते हैं भविष्य

मुंबई । ओटीटी प्लेटफार्म को नए अवसर और पहचान बदलने का मंच मानते हैं अभिनेता नंदीश संधू। सोनी लिव के शो 'अनदेखी 2' से डिजिटल डेब्यू कर चुके नंदीश इसे मानते हैं दर्शकों का प्लेटफार्म। अपने डेब्यू और सीरीज को लेकर नंदीश ने जागरण डॉट कॉम की पत्रकार आरती तिवारी से की एक खास बातचीत। टीवी शो 'उतरन' से घर-घर में पहचान कायम करने वाले नंदीश संधू ने सोनी लिव के वेब शो 'अनदेखी 2' से ओटीटी प्लेटफार्म में डेब्यू कर लिया है। इस प्लेटफार्म को लेकर खासे उत्साहित नंदीश कहते हैं, 'ओटीटी प्लेटफार्म बेशक एक नया मंच है। इसकी अच्छी बात यह है कि यहां आपको किसी बने-बनाए नियम पर नहीं चलना। दर्शकों की च्वाइस बदल रही है, ऐसे में उन्हें जो चाहिए वह यहां फटाफट मिलता है। एक और खास बात जो मैंने अनुभव की, वह यह है कि यहां टीवी की तरह दर्शकों का मिजाज देखकर स्क्रिप्ट को आगे नहीं बढ़ाते। आपको अपना पूरा काम पेश करना होता है। अपने किरदार की दुनिया बनानी होती है, जिसके बाद दर्शक आपका भविष्य तय करते हैं। टीवी में भी मुश्किलें थीं, मगर वहां मेरा कंफर्ट बन गया था, अब उसे छोड़कर इस तेज भागती इंडस्ट्री में आना वाकई रोमांचक है। क्राइम थ्रिलर वेब शो 'अनदेखी' को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसके अगले सीजन में नंदीश का नया किरदार जोड़ा गया है। क्राइम थ्रिलर जॉनर में किस्मत आजमाने उतरे नंदीश कहते हैं, 'बेशक यह मेरे अब तक निभाए किरदारों से एकदम अलग है।

170 करोड़ के पार पहुंची फिल्म सनडे को की धुआंधार कमाई

नई दिल्ली। द कश्मीर फाइल्स' ने बॉक्स ऑफिस पर अपने दूसरे सनडे को धुआंधार कमाई की है। अबतक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए फिल्म ने नया किर्तिमान गढ़ा है। कुल मिला कर ये फिल्म जल्द ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली है। 10 दिन में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस जो झंड़े गाड़ें हैं इसकी उम्मीद इस फिल्म के मेकर्स को भी नहीं रही होगी। वहीं 'द कश्मीर फाइल्स' के आगे अक्षय कुमार की बच्चन पांडे भी फीकी पड़ गई है। द कश्मीर फाइल्स ने 10वें दिन यानि सनडे को जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 30 करोड़ के आस पास की कमाई की है। यह एक ही दिन में अब तक की सबसे अधिक कमाई है। दिलचस्प बात यह है कि इसकी कमाई पहले दिन के कलेक्शन से 9 गुना ज्यादा है। अब, किसी को आश्चर्य नहीं होगा अगर फिल्म 300 करोड़ क्लब में शामिल हो जाए। शनिवार के 24.80 करोड़ से ये एक बड़ी छलांग है। द कश्मीर फाइल्स अब भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 171 करोड़ से ज्यादा की कुल कमाई कर चुकी है। बता दें कि फिल्म ने अबतक दंगल और बाहुबली का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 15 करोड़ के बजट में बनी विवेक अग्निहोत्री की इस फिल्म ने अब तक 171 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। वर्ड टू माउथ पब्लिसिटी पर चल रही इस फिल्म में लोगों को घाटी में कश्मीरी हिन्दूओं के साथ हुआ अत्याचार इमोशनल कर रहा है। बॉलीवुड इस फिल्म को लेकर फिलहाल दो भागों में बंट गया है, एक जो समर्थन कर रहे हैं, दूसरे जो इसे सिर्फ प्रौपेगेंडा बता रहे हैं। वहीं खबर आ रही है कि द कश्मीर फाइल्स के निर्माताओं ने फिल्म को चार भाषाओं में डब करने का फैसला किया है। ब्लॉकबस्टर फिल्म को तेलुगु, तमिल, मलयालम और कनन्ड़ में डब किया जाएगा। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेहद शानदार प्रदर्शन कर रही है। विवेक रंजन अगिन्होत्री द्वारा लिखित और निर्देशित, एक्सोडस ड्रामा में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी और चिन्मय मंडलेकर सहित अभिनेताओं की एक तारकीय भूमिका है।

कंगना रनोट की जेल से बाहर हुआ ये कंटेस्टेंट, एक हफ्ते में ये दूसरा शॉकिंग एलिमिनेशन

नई दिल्ली। कंगना रनोट के अत्याचारी खेल में एक और चौंकाने वाला एविक्शन देखा गया। हाल ही में हफ्ते के बीच में सिद्धार्थ शर्मा को शो से एलिमिनेट कर दिया गया। वहीं अब एक और कैदी को इस जेल से रिहाई मिल गई है। कुल मिलाकर अबतक 4 लोग इस शो से बाहर जा चुके हैं। स्वामी चक्रपाणि, तहसीन पूनावाला, सिद्धार्थ शर्मा और अब एक और। शो में अब तक दो वाइल्ड कार्ड एंट्री भी हो चुकी हैं। सनडे को जमेंट डे के दिन कंगना ने एक कैदी को अपनी जेल से रिहा कर दिया, वो कोई और नहीं बल्कि रेस्लर बबीता फोगट हैं। बहुत उम्मीदों और वादों के साथ शो में शामिल हुई मशहूर पहलवान को लॉक अप जेल से बाहर कर दिया गया है। शो में अपनी जर्नी के दौरान बबीता ने पायल रोहतगी और स्वामी चक्रपाणि महाराज के साथ एक मजबूत बॉन्ड शेयर किया। टास्क के दौरान वो काफी स्ट्रॉन्ग प्लेयर थीं और अपनी टीम को जीत भी दिलाई, पर फिर भी उन्हें शो से बाहर कर दिया गया। लॉक अप की होस्ट कंगना रनोट ने एलिमिनेशन के लिए उनका नाम लिया और कहा कि फिजिकल स्ट्रॉन्थ के हिसाब से वो दर्शकों को इम्प्रेस करने में कामयाब रहीं पर इमोशनल और मेंटल लेवल पर वो कनेक्ट नहीं कर पाईं। कंगना ने बबीता से कहा, ' आपने अपने आपको पूरी तरह से शो ही नहीं किया।बबीता फोगट इससे सहमत नहीं थीं और उन्होंने कहा कि उन्होंने लोगों में इनवेस्ट किया और लॉक अप जेल में सभी के साथ अच्छे रिलेशन बनाए। करणवीर और बबीता बॉटम टू में थे और बबीता शो से बाहर हो गईं। जाते समय वह भावुक हो गईं और सभी को गले से लगा लिया। जब बबीता लॉक अप जेल से बाहर निकल रही थीं तब पायल की आंखों में आंसू आ गए। कंगना ने करणवीर को समझदारी से गेम खेलने की चेतावनी दी। कंगना ने उन पर गुस्सा भी किया और कहा, 'मेरी चेतावनियों को गंभीरता से लें, इसे अपना शो न बनाएं।

एक साथ इन दो ओटीटी प्लेफॉर्म पर रिलीज हुई रणवीर सिंह की '83' जाने कहां देख सकेंगे ये मूवी

नई दिल्ली। 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम की पहली वनडे विश्व कप जीत पर आधारित, कपिल देव के रूप में अभिनीत कबीर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा अब ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में रणवीर सिंह ने कपिल देव का किरदार निभाया है और इस पिछले साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। तीन महीने बाद '83' आखिरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है 83 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर स्टार गोल्ड पर रविवार, 20 मार्च को किया गया। वहीं सोमवार को ने फिल्म को अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम कर दिया। डिजनी प्लस हॉटस्टार ने अपने ट्विटर हैंडल पर इस खबर को साझा करते हुए लिखा, 'क्या हम स्टेडियम में हैं क्योंकि हम प्रशंसकों की जयकार सुन सकते हैं 83 की अब हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड और मलयालम में स्ट्रीमिंग हो रही है। क्ष83दहर्प्दूै'। बता दें कि ये फिल्म नेटफ्लिक्स इंडिया पर भी स्ट्रीम की गई है। दरअसल, ओटीटी पर अचानक ये स्ट्रीमिंग इसलिए हुई क्योंकि बॉम्बे हाईकोर्ट ने रणवीर सिंह-स्टारर '83' के प्रसारण अधिकारों पर अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ किया कि फिल्म अब हॉटस्टार और नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। हाई कोर्ट के सामने स्टार और नेटफ्लिक्स द्वारा सेटेलाइट और डिजिटल मीडिया अधिकारों को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसपर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने फिल्म के डिजिटल रिलीज पर स्टे लगाने से इनकार दिया। '83 जिसमें रणवीर सिंह ने कपिल देव की भूमिका निभाई और दीपिका पादुकोण ने उनकी पतनी के रूप में, पिछले साल दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा कि कमाई की है। पर बड़े बजट की होने के कारण इसके प्रदर्शन को निराशाजनक ही माना गया। कोरोना महामारी के चलते पहले ही फिल्म काफी लेट रिलीज हो पाई थी।

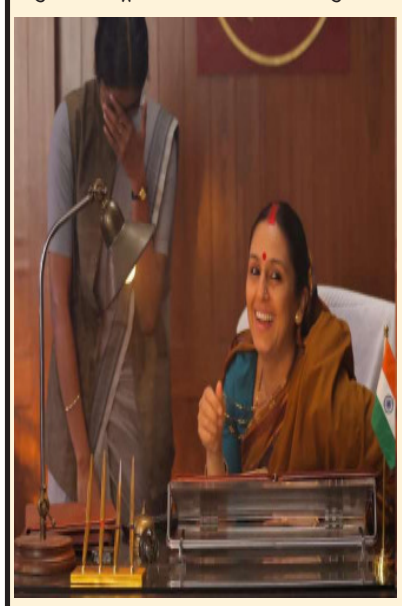

हुमा कुरैशी एक बार फिर राजनीति के धुरंधरों से भिड़ती आएंगी नजर पूरी हुई 'महारानी' सीजन 2 की शूटिंग

नई दिल्ली। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अपनी आगामी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी आने फिल्मों से जुड़े अपडेट शेयर करती रहती हैं। इसी बीच जानकारी आ रही हैं कि एक्ट्रेस ने अपनी अवॉर्ड वीनिंग वेब सीरीज महारानी के दूसरे सीजन की शूटिंग को पूरा कर लिया है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की खबर के अनुसार, एक्ट्रेस ने पॉलीटिकल मुद्दों पर आधारित वेब सीरीज 'महारानी' के दूसरे सीजन की शूटिंग को पूरा कर लिया है। वेब सीरीज की शूटिंग को भोपाल, होशंगाबाद और जम्मू-कश्मीर में फिल्माया गया है। फिल्म की शूटिंग के बारे में बात करते हुए हुमा ने कहा, जम्मू-कश्मीर में फिल्म का काफी छोटा शेड्यूल शूट किया गया है। वहां महत्वपूर्ण कहानी को फिल्माया गया है। सीजन 2 बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न से भरा हुआ है। करण शर्मा द्वारा निर्देशित इस राजनीतिक थ्रिलर वेब सीरीज को सुभाष कपूर ने लिखा। वहीं, पिछले साल 28 मई को रिलीज हुए इस शो के पहले सीजन में अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने राजनेता रानी भारती का मुख्य किरदार निभाया है। 'महारानी' वेब सीरीज की कहानी 1990 के दशक में बिहार में हुई राजनीतिक घटनाओं से प्रेरित है। इस बार वेब सीरीज में हुमा कुरैशी के अलावा सोहम शाह, अमित सियाल, कानी कुसरती और इनामुलहक भी मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। आपको बता दें कि हुमा कुरैशी को इस वेब सीरीज में अपनी दमदार भूमिका के लिए फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स की ओर से बेस्ट एक्ट्रेस के अवार्ड से सम्मानित किया गया था। हुमा कुरैशी के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह तमिल फिल्म 'वलीमै' में नजर आई थी। इस फिल्म को तमिल के साथ हिंदी तेलुगू, मलयालम और कन्नड भाषा में रिलीज किया गया था। इससे पहले हुमा जी5 की वेब सीरीज 'मिथ्या' में नजर आई थीं। वहीं पिछले साल अक्षय कुमार की फिल्म 'बेल बॉटम' में नेगेटिव रोल निभाती दिखी थीं।

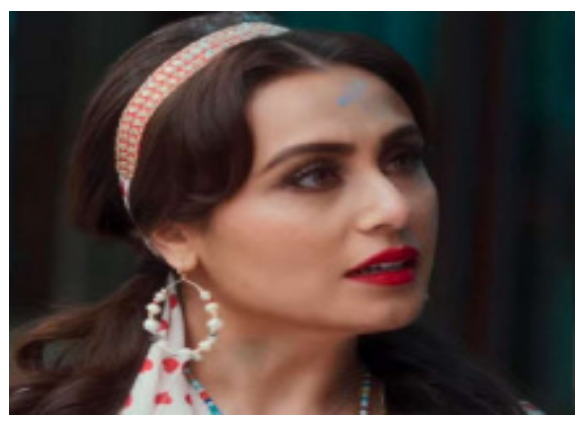

एक्टिंग नहीं करना चाहती थीं रानी मुखर्जी, मां के कहने पर फिल्मों में किया काम, फिर ऐसे बनी बड़ा नाम

नई दिल्ली। खूबसूरत अभिनेत्री रानी मुखर्जी आज के समय में बॉलीवुड की सीनियर कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने अब तक कई शानदार फिल्मों में काम किया है। रानी मुखर्जी उन अभिनेत्रियों में से भी एक जिनकी ज्यादातर फिल्में हिट साहित होती आई हैं। उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। रानी मुखर्जी का जन्म 21 मार्च 1978 को मुंबई में ही हुआ था। रानी मुखर्जी भी एक स्टार किड रही हैं। उनके पिता राम मुखर्जी एक जाने-माने डायरेक्टर रहे तो उनकी मां कृष्णा मुखर्जी एक प्लेबैक सिंगर थीं। रानी के भाई राजा मुखर्जी भी इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। इतना ही नहीं वह निर्देशक अयान मुखर्जी और अभिनेत्री काजोल की कजिन हैं। रानी मुखर्जी एक्टिंग की दुनिया में नहीं आना चाहती थीं, लेकिन मां के कहने पर उन्होंने एक्टिंग शुरू की। रानी मुखर्जी ने साल 1996 में अपनी मां के कहने पर अपने करियर की शुरुआत बंगाली फिल्म 'बियेर फूल' से की। यह फिल्म उनके पिता ने ही बनाई थी। बाद में यही फिल्म हिंदी में 'राजा की आएगी बारात' (1997) के नाम से बनाई गई जिसमें रानी ने मुख्य भूमिका अदा की, लेकिन उन्हें बॉलीवुड में असली पहचान फिल्म गुलाम से मिली। इस फिल्म में रानी मुखर्जी आमिर खान के साथ दिखाई दी थीं। साल 1998 रानी मुखर्जी से लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उन्होंने फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में टीना मल्होत्रा का किरदार निभाया था, जिसने उन्हें रातों-रात मशहूर अभिनेत्री बना दिया था। साल 2000 के दौरान रानी ने 'बादल', 'बिच्छू', 'हे राम', 'हर दिल जो प्यार करेगा', 'कहीं प्यार ना हो जाए' जैसी फिल्मों में काम किया, उनकी फिल्म 'हे राम' ने उस साल काफी सुर्खियां बटोरीं। इतना ही नहीं भारत की तरफ से फिल्म 'हे राम' को ऑस्कर के लिए भेजा गया था। हालांकि यह फिल्म सिलेक्ट नहीं हो सकी। साल 2003 में ही रानी ने फिल्म 'चलते चलते' में काम किया। यह फिल्म पहले ऐश्वर्या राय को ऑफर हुई थी, लेकिन किसी वजह से बाद में रानी मुखर्जी ने फिल्म में काम किया, जिसे काफी पसंद किया गया। साल 2004 में रानी 'युवा' और 'वीर जारा' में अहम भूमिका में दिखीं। फिल्म 'युवा, 'ब्लैक' और 'नो वन किल्ड जेसिका' के लिए रानी को फिल्मफेयर पुरस्कार हासिल कर चुकी हैं। इसके अलावा वह फिल्म 'साथिया' के लिए रानी को उस साल का बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक) का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिल चुका था। निजी जिंदगी की बात करें तो 21 अप्रैल 2014 को रानी मुखर्जी ने निर्माता निर्देशक आदित्य चोपड़ा से शादी कर ली। उनकी शादी बॉलीवुड के शोर-शराबे से दूर पेरिस में एक व्यक्तिगत समारोह में परिवार के कुछ सदस्यों की मौजूदगी के बीच संपन्न हुई।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।